Guru Jambheshwar University of Science & technology Hisar.
In news In December 2018

माउथ पब्लिसिटी व ऑनलाइन मार्केटिंग के जरिये लुभाया जा रहा विदेशी स्टूडेंट्स को

जीजेयू: पीएचडी में दाखिले के लिए इथोपिया और घाना के 150 स्टूडेंट्स ने किया अप्लाई

सुभाष चंद्र | हिसार

गुरु जंभेश्वर यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी विदेशी रिसर्च स्कॉलर की पसंद बनती जा रही है। जीजेयू में पीएचडी एडमिशन के लिए 150 स्टूडेंट्स ने अप्लाई किया है। पिछले साल 52 विदेशी स्टूडेंट्स ने अप्लाई किया था। इनमें से 32 स्टूडेंट्स को दाखिला मिला था। विवि की ऑनलाइन मार्केटिंग से विदेशी स्टूडेंट्स की संख्या में इजाफा हो रहा है।

अप्लाई करने वाले अधिकतर स्टूडेंट्स अफ्रीका महाद्वीप के इथोपिया देश से हैं। वहीं कुछ स्टूडेंट्स घाना से भी। विवि में विदेशी स्टूडेंट्स विभाग के प्रो. टीकाराम के अनुसार विवि में इथोपिया के 32 स्टूडेंट्स ने पीएचडी की थी। इन स्टूडेंट्स की माउथ पब्लिसिटी के चलते इथोपिया से अन्य स्टूडेंट्स ने यहां अप्लाई किया है।

इन डिपार्टमेंट्स में पीएचडी के आवेदन मांगे

डिपार्टमेंट	टोटल सीट्स
• मैकेनिकल इंजीनियरिंग	17
• कम्यूनिकेशन मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी	07
• इनवायरमेंट साइंस एंड इंजीनियरिंग	11
• बायो एंड नैनो टेक्नोलॉजी	02
• फार्मास्यूटिकल साइंसेज	18
• फिजिक्स	03
• अप्लाइड साइकोलॉजी	02
• फिजियोथेरेपी	03
• फूड टेक्नोलॉजी	03
• कुल	66

दाखिले का शेड्यूल

10 दिसंबर तक कर सकते हैं आवेदन

26 दिसंबर को एंट्रेंस एग्जाम

28 दिसंबर को रिजल्ट

4 जनवरी को काउंसिलिंग

फॉरेन स्टूडेंट्स को बिना एंट्रेंस टेस्ट मिलता है एडमिशन

विदेशी स्टूडेंट्स को बिना एंट्रेंस के ही पीएचडी में दाखिला दिया जाएगा। वहीं यहां के स्टूडेंट्स को पीएचडी में प्रवेश के लिए एंट्रेंस एग्जाम देना होगा। भारतीय स्टूडेंट के लिए पीएचडी में दाखिला 50 प्रतिशत एंट्रेंस एग्जाम के आधार पर दिया जाएगा। इसमें एंट्रेंस एग्जाम के 50 प्रतिशत, पीजी के 30 प्रतिशत व यूजी के लिए 20 प्रतिशत अंक के आधार पर मैरिट बनाई जाएगी।

स्टूडेंट्स में दिख रहा रुझान : मल्होत्रा

विदेशी स्टूडेंट्स के विवि में दाखिला लेने से विवि की लोकप्रियता बढ़ती है और उसकी रैंक भी बढ़ती है। इससे यूनिवर्सिटी को ग्रांट मिलने में भी सुविधा होती है।" -राजेश मल्होत्रा,

डीन एकेडमिक अफेयर, जीजेयू, हिसार।

बनाया जाएगा अलग हॉस्टल : वीसी

विदेशी स्टूडेंट्स के लिए विवि में सभी तरह की सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं। विवि में विदेशी स्टूडेंट्स लगातार बढ़े तो उनके लिए अलग से हॉस्टल बनाया जाएगा।"

-प्रो. टंकेश्वर कुमार, वीसी, जीजेयू, हिसार।

दैनिक भास्कर - 4/12/18

इंजीनियरिंग में भी एनआइआरएफ रैंकिंग के लिए आवेदन करेगा गुजवि

एनआइआरएफ की ओर से 2019 में चौथी बार जारी की जाएगी रैंकिंग

संदीप बिश्नोई • हिसार

गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय पहली बार इंजीनियरिंग में भी एनआइआरएफ (नेशनल इंस्टीट्यूशंस रैंकिंग फ्रेमवर्क) रैंकिंग के लिए आवेदन करेगा। पिछले तीन वर्षों तक एनआइआरएफ के इंजीनियरिंग के विभिन्न पैरामीटर पर स्वयं को आंकने और सुधार के बाद इस बार विश्वविद्यालय द्वारा इंजीनियरिंग के लिए आवेदन किया जाएगा। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग विभागों में तीन वर्षों में प्लेसमेंट और आउटकम में बेहतर प्रदर्शन किया है। जिसके बाद गुजवि ने विश्वविद्यालय और फार्मेसी के साथ इंजीनियरिंग के लिए भी आवेदन करने का निर्णय लिया। इससे पहले तीन बार हुई एनआइआरएफ की रैंकिंग में जीजेयू ने विश्वविद्यालय और फार्मेसी संस्थानों के लिए ही आवेदन किया था। पिछली बार विश्वविद्यालय को 112वां और फार्मेसी विभाग को देश में 44 वां स्थान मिला था। एनआइआरएफ की तरफ से 2019 में चौथी बार रैंकिंग जारी की जाएगी। इस बार एनआइआरएफ की तरफ से पैरामीटर में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

मंत्रालय की ओर से 2016 में पहली बार एनआइआरएफ की रैंकिंग जारी की गई थी। तब बहुत कम विश्वविद्यालयों ने इसमें हिस्सा लिया और गुजवि को 24वां स्थान मिला था। इसमें ग्रेजुएट आउटकम (सर्वाधिक 96.21 अंक) की बड़ी भूमिका रही थी। इसके बाद 2017 में आवेदन करने वाले विश्वविद्यालयों की संख्या बढ़कर 233 हो गई और गुजवि टॉप 100 से बाहर होकर 121वें स्थान पर पहुंच गई। 2018 में गुजवि की रैंकिंग में फिर कुछ सुधार हुआ और 112वां रैंक मिला।

विभिन्न मानकों के आधार पर दिए जाते हैं अंक

मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा नेशनल इंस्टीट्यूशंस रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआइआरएफ) के तहत देश भर के शिक्षण संस्थानों की रैंकिंग जारी की जाती है। जिसमें देशभर के विश्वविद्यालय, इंजीनियरिंग और प्रबंधन सहित तमाम संस्थान हिस्सा लेते हैं। एनआइआरएफ कमेटी विभिन्न मानकों के आधार पर संस्थानों को अंक देकर सूची जारी करती है। रैंकिंग फ्रेमवर्क में संस्थानों की टीचिंग एंड लर्निंग रिसोर्सेज, रिसर्च प्रोफेशनल प्रेक्टिस, ग्रेजुएशन आउटकम, आउटरीच एंड इनक्लूसीविटी और पर्सेपसन आदि मापदंडों को जांचा जाता है।

ये हैं एनआइआरएफ के रैंकिंग पेरामीटर एवं वेटेज

टीचिंग लर्निंग रिसोर्स 100 अंक
रैंकिंग वेटेज 0.30

- शोधार्थियों सहित सभी विद्यार्थियों की संख्या : 20 अंक
- विद्यार्थी-अध्यापक (स्थाई) अनुपात : 30 अंक
- अध्यापकों की पीएचडी डिग्री और उनका अनुभव : 20 अंक
- वित्तिय संसाधन और उनका उपयोग : 30 अंक

शोध एवं पेशेवर प्रेक्टिसिज 100 अंक
रैंकिंग वेट 0.30

- विश्वविद्यालय के पब्लिकेशंज : 35 अंक
- पब्लिकेशज की गुणवत्ता : 40 अंक
- आईपीआर एवं पेटेंट : 15 अंक
- फुटप्रिंट ऑफ प्रोजेक्ट, प्रोफेसनल प्रेक्टिस एवं एग्जिक्यूटिव डेवलपमेंट प्रोग्राम : 10 अंक

ग्रेजुएशन आउटकम कुल 100 अंक
रैंकिंग वेट 0.20

- विधि से ग्रेजुएशन पास विद्यार्थियों की परफार्मेंस : 60 अंक
- पीएचडी विद्यार्थियों की संख्या : 40 अंक

आउटरीच एंड इंक्लुजिविटी 100 अंक
रैंकिंग वेट 0.10

- दूसरे राज्यों या देशों से आए विद्यार्थी : 30 अंक
- विश्वविद्यालय में महिला अध्यापकों व छात्राओं की संख्या : 25 अंक
- आर्थिक व सामाजिक रूप से पिछड़े विद्यार्थी : 25 अंक
- दिव्यांगों को दी जाने वाली सुविधाए : 20 अंक

अनुभव 100 अंक
रैंकिंग वेट 0.10

- सहकर्मी अनुभूति : नियोक्ता और शोध निवेशक : 25 अंक
- सहकर्मियों की शैक्षणिकता : 50 अंक
- आम लोगों का अनुभव : 25 अंक

हमने इस बार इंजीनियरिंग में भी आवेदन का फैसला लिया है। पिछले तीन वर्षों में हमारी प्लेसमेंट और ग्रेजुएट आउटकम में सुधार हुआ है। इसलिए फार्मेसी और विश्वविद्यालय की श्रेणी के साथ हम इंजीनियरिंग में भी एनआइआरएफ रैंकिंग के लिए आवेदन कर रहे हैं। प्रो. टंकेश्वर कुमार, कुलपति, जीजेयू।

दैनिक जागरण - 5/12/18

उद्घाटन : डिजिटल माध्यम से पूर्णतया पारदर्शिता होगी व कार्यक्षमता में बढ़ोतरी होगी - वीसी

जीजेयू ने पीएचडी के लिए तैयार किया सॉफ्टवेयर रजिस्ट्रेशन-थिसिस अप्रूवल कार्य होंगे ऑनलाइन

भास्कर न्यूज | हिसार

जीजेयू की आईटी सैल में पीएचडी के लिए एक ऑनलाइन सॉफ्टवेयर तैयार किया गया है। इसमें पीएचडी करने वाले स्टूडेंट्स के डॉक्यूमेंट्स से लेकर थिसिस की अप्रूवल की सारी प्रक्रिया इस सॉफ्टवेयर के जरिये निपटाई जाएगी। जीजेयू के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने मंगलवार को ऑनलाइन सॉफ्टवेयर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार पुंडीर व परीक्षा नियंत्रक यशपाल सिंगला उपस्थित रहे। डिपार्टमेंट की ओर से स्टूडेंट्स के डॉक्यूमेंट ऑनलाइन सबमिट किए जाएंगे। डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के बाद स्टूडेंट्स का रजिस्ट्रेशन होगा। रजिस्ट्रेशन नंबर स्टूडेंट के पास चला जाएगा। डिपार्टमेंट में थिसिस जमा करवाने व स्टूडेंट के मेन गाइड व कोगाइड का डेटा भी ऑनलाइन किया जाएगा। फीस भी ऑनलाइन सबमिट की जा सकेगी।

जीजेयू में पीएचडी के लिए ऑनलाइन सॉफ्टवेयर का शुभारंभ करते हुए वीसी प्रो. टंकेश्वर कुमार।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस सॉफ्टवेयर से पीएचडी से सम्बन्धित सभी गतिविधियां ऑनलाइन हो जाएंगी। इस डिजिटल माध्यम से पूर्णतया पारदर्शिता होगी व कार्यक्षमता में बढ़ोतरी होगी। इससे शोधार्थियों को अत्यंत लाभ होगा। पीएचडी स्कॉलर्स द्वारा रिपोर्ट प्रस्तुत करना, सम्बन्धित विभाग से पंजीकरण शाखा, गोपनीय शाखा व कुलपति कार्यालय तक अनुमोदन, पीएचडी थिसिस के मूल्यांकन के लिए परीक्षक की सहमति व वायवा वोस का आयोजन व सभी कार्य ऑनलाइन होंगे। यह ऑनलाइन प्रक्रिया तुरंत प्रभाव से लागू की गई है। उपकुलसचिव आईटी सैल सुरेंद्र सिंह सहगल ने बताया कि यह सॉफ्टवेयर विश्वविद्यालय के आईटी सैल द्वारा तैयार किया गया है। विवि के सभी विभागाध्यक्षों व शाखा अधिकारियों को लॉगइन आईडी व पासवर्ड दे दिए गए हैं। इस अवसर पर धार्मिक अध्ययन संस्थान के अध्यक्ष प्रो. किशनाराम बिश्नोई, निदेशक यूसीआईसी मुकेश अरोड़ा, उपकुलसचिव परिणाम शाखा डॉ. सत्यवीर दलाल, उपकुलसचिव गोपनीय शाखा रवि पाण्डेय व सहायक कुलसचिव पंजीकरण शाखा सुशीला सिवाच उपस्थित थे।

दैनिक भास्कर- 7/2/18

जीजेयू का स्टूडेंट आशीष हाइब्रिड इलेक्ट्रिक साइकिल से पहुंचा स्कूल 220 किलो भार के साथ 60 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से दौड़ेगी

शांति निकेतन स्कूल के पूर्व छात्र की प्रिंसिपल और टीचर्स ने की सराहना, बोले- विज्ञान में बचपन से पहले से थी रुचि

भास्कर न्यूज | मंडी आदमपुर सिटी

पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतें और पर्यावरण प्रदूषण आज एक जनसमस्या बन गई है लेकिन आशीष ने इसके समाधान की दिशा में कदम बढ़ाया। साइकिल को आशीष ने आसान और सुविधाजनक बना दिया। साइकिल एक प्रदूषण रहित वाहन माना जाता है। इसी साइकिल में इलेक्ट्रिक मोटर की व्यवस्था करके आशीष ने हाइब्रिड इलेक्ट्रिक साइकिल बनाई है। शांति निकेतन पब्लिक स्कूल के छात्र रहे आशीष अभी गुरु जंभेश्वर यूनिवर्सिटी में मैकेनिकल इंजीनियरिंग के प्रथम वर्ष में पढ़ रहे हैं। बुधवार को विद्यालय में अपनी साइकिल से पहुंचे आशीष ने गुरुजनों का आशीर्वाद लिया और विद्यालय चेयरमैन पर्वेंद्र ज्याणी और प्राचार्य राजेंद्र से मिले। आशीष गांव मोहब्बतपुर ढाणी में रहने वाले मध्यमवर्गीय परिवार से ताल्लुक रखते हैं। पिता किराने की दुकान चलाते हैं और मां गृहिणी है। आशीष ने बताया कि उसकी आगे की योजना में पैडल द्वारा या सोलर पैनल से इसकी बैटरी को ऑटो चार्ज करना है। जिससे रास्ते में रुकना न पड़े। चेयरमैन पर्वेंद्र ज्याणी ने बताया कि आशीष स्कूली जीवन से ही विज्ञान में रुचि रखता था, विद्यालय स्तर पर उसने कई उपयोगी मॉडल बनाए। स्कूल परिवार को गर्व और प्रसन्नता है कि आशीष इसी दिशा में बेहतर काम कर रहा है। उन्होंने इसके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया।

हॉर्न, डिजिटल मीटर, इंडिकेटर व ब्रेक लाइट भी लगाए

आशीष ने बताया कि इस साइकिल की अधिकतम रफ्तार 60 किलोमीटर प्रतिघंटा जा सकती है और इसका वजन लगभग 50 किलोग्राम है। साइकिल की बैटरी 4 से 5 घंटे में पूरी चार्ज हो जाती है और फिर यह लगातार 50 किमी तक चल सकती है। अधिकतम 220 किलो भार की सवारी इस पर यात्रा कर सकती है। इस साइकिल में हॉर्न, डिजिटल मीटर, इंडिकेटर और ब्रेक लाइट भी लगाए गए हैं। बैटरी खत्म होने पर साइकिल को पैडल द्वारा भी ऑपरेट किया जा सकता है।

हाईब्रिड इलेक्ट्रिक साइकिल के साथ आशीष, विद्यालय चेयरमैन पर्वेंद्र ज्याणी व अन्य। सभी ने एचीवमेंट को सराहा।

दैनिक भास्कर- 6/2/18

गुजवि के 4 विद्यार्थियों को दिल्ली कंपनी में हुआ चयन

हिसार, 5 दिसंबर (सवेरा) : गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के बायोमैडीकल इंजीनियरिंग विभाग के चार विद्यार्थियों का चयन होस्पीमेक्स हैल्थकेयर प्राइवेट लिमिटिड नई दिल्ली में हुआ है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर चयनित विद्यार्थियों को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं। इस अवसर पर ट्रेनिंग एंड प्लेसमैंट सैल के निदेशक प्रताप सिंह मलिक, विभाग के अध्यक्ष प्रो. दीपक केडिया व विभाग के ट्रेनिंग एंड प्लेसमैंट कोर्डिनेटर प्रो. रवीश गर्ग उपस्थित थे। प्रताप सिंह मलिक ने बताया कि बायोमैडीकल इंजीनियरिंग विभाग के विद्यार्थी सुमित, बादल, कमलजीत व आशीष वर्मा का चयन हुआ है। उन्होंने बताया कि कम्पनी ने विद्यार्थियों का चयन कंपनी द्वारा निधार्रित चयन प्रक्रिया के उपरान्त किया है। डा. रवीश गर्ग ने बताया कि होस्पीमेक्स हैल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड कम्पनी चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में एक प्रतिष्ठित कम्पनी है, जो कि फार्मास्युटिकल, सर्जीकल व मैडीकल उपकरणों की बिक्री एवं विपणन करती है। यह कम्पनी पहले भी नियमित रूप से विश्वविद्यालय के बायोमैडीकल इंजीनियरिंग विभाग के विद्यार्थियों का चयन करती रही है। आठवें सैमेस्टर के दौरान चयनित विद्यार्थियों को प्रशिक्षण भत्ता दिया जाएगा और इनकी परफोरमैंस के आधार पर कोर्स पूरा होने पर कम्पनी द्वारा नियुक्ति दी जाएगी।

गुजविप्रौवि हिसार में चयनित विद्यार्थियों को सम्मानित करते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

दैनिक सवेरा 2 पेज - 6/12/18

जीजेयू में ऑनलाइन हो सकेंगे डॉक्टर, इंजीनियर व एमबीए के एंट्रेस एग्जाम

जीजेयू को ऑनलाइन एग्जाम कंडक्ट से होगी लाखों रुपये की आय, 250 कंप्यूटर की बनेगी पार्टीशन लैब

सुभाष चंद्र | हिसार

जीजेयू में डॉक्टर, इंजीनियर व एमबीए के लिए कैट, मैट, जीपैट, जेईई सहित गवर्नमेंट व प्राइवेट जॉब के लिए ऑनलाइन एग्जाम भी आयोजित किए जा सकेंगे। इसके लिए जीजेयू 250 आधुनिक कंप्यूटर की लैब तैयार कर रहा है। इसे जीजेयू में हॉल ही बनी बिल्डिंग में शुरू किया जाएगा। कंप्यूटर लैब की खास बात यह है कि इसमें प्रत्येक कंप्यूटर सेट का पार्टीशन किया गया है। जिससे ऑनलाइन एग्जाम के दौरान परीक्षार्थी एक-दूसरे की कंप्यूटर स्क्रीन नहीं देख सकेंगे। इससे स्टूडेंट्स एक-दूसरे के उत्तर भी कॉपी नहीं कर सकेंगे। जिससे योग्य स्टूडेंट ही एग्जाम में सफल हो सकेंगे। हिसार में ऑनलाइन एग्जाम आयोजित करने के लिए फिलहाल एक निजी संस्थान है, यह संस्थान भी शहर से 18 किलोमीटर दूर ओम इंस्टीट्यूट है। पिछले काफी समय से ऑनलाइन एग्जाम सेंटर बनाने की मांग थी। जिसे जीजेयू की ओर से पूरा किया जा रहा है। इससे परीक्षार्थियों को भी परीक्षाओं के लिए शहर में सुविधा मिल जाएगी।

एक वर्ष में 14-15 ऑनलाइन टेस्ट होते हैं

यूनिवर्सिटी को ऑनलाइन एग्जाम सेंटर से हर वर्ष लाखों रुपये की आय होगी। लैब में एक बार में 250 स्टूडेंट्स एग्जाम दे पाएंगे। फिलहाल जीजेयू में 100 कंप्यूटर की लैब है, जिनमें विवि की ओर से कुछ ऑनलाइन टेस्ट कंडक्ट करवाए गए हैं। कुछ समय पहले जीजेयू में गुड़गांव की मैट्रोपॉलिटिन डिवेलपमेंट अथॉरिटी के ऑनलाइन टेस्ट कंडक्ट किए गए थे। इन परीक्षाओं में 331 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी थी। इससे विवि को 4 लाख रुपए से अधिक की आय हुई थी। एक वर्ष में 14-15 ऑनलाइन टेस्ट आयोजित होते हैं। सामान्य तौर पर ऑनलाइन एग्जाम के लिए एक परीक्षार्थी की 1000 रुपये से लेकर 2500 रुपये तक फीस ली जाती है।

लैब कम क्लासरूम से विवि के स्टूडेंट्स को भी होगा लाभ

जीजेयू में स्थापित की जा रही कंप्यूटर लैब को लैब कम क्लासरूम बनाया जाएगा। जिससे विवि के स्टूडेंट्स को भी लाभ होगा। लैब में स्टूडेंट्स की प्रैक्टिकल कक्षाएं भी आयोजित की जा सकेंगी। इसके साथ जीजेयू स्टूडेंट्स के भी ऑनलाइन टेस्ट कंडक्ट किए जा सकेंगे।

दो तरह से ऑनलाइन टेस्ट आयोजित होंगे

जीजेयू की कंप्यूटर लैब में दो तरह से ऑनलाइन टेस्ट आयोजित किए जा सकेंगे। जीजेयू दो तरीके से ऑनलाइन टेस्ट कंडक्ट करवा सकेगा। इसमें कंप्यूटर लैब रेंट पर देकर भी आय अर्जित कर सकेगा। दूसरे तरीके में विवि की ओर से भी ऑनलाइन टेस्ट कंडक्ट किए जा सकते हैं। जिसमें टेस्ट करवाने की पूरी जिम्मेवारी यूनिवर्सिटी की होगी। वहीं रेंट पर कंप्यूटर लैब देने से टेस्ट आयोजित करने की जिम्मेवारी संस्था की होगी।

आई-5 और आई-7 पीसी लगेंगे

जीजेयू में सभी पुराने कंप्यूटर को भी बदला जाएगा। विवि में अब स्टूडेंट्स को आई-3, आई - 5 व आई - 7 कंप्यूटर स्टूडेंट्स को उपलब्ध करवाए जाएंगे। विवि प्रशासन की ओर से पुराने कंप्यूटर को विवि में ऐसी जगहों पर शिफ्ट किया गया है जहां सिर्फ सामान्य डाटा स्टोर करने पर इनका प्रयोग होगा।

▶ जीजेयू की कंप्यूटर लैब को आधुनिक तरीके से बनाया गया है, इससे होने वाली आय को स्टूडेंट्स से जुड़ी रचनात्मक गतिविधियों में ही खर्च किया जाएगा। जीजेयू के टेस्ट भी ऑनलाइन आयोजित किए जा सकेंगे।-प्रो. टंकेश्वर कुमार, वीसी, जीजेयू, हिसार।

दैनिक भास्कर - 7-12-18

63वें डीएई सोलिड स्टेट फिजिक्स सिम्पोजियम 18 से होगा शुरू

गुजवि में जुटेंगे देशभर के 720 फिजिक्स साइंटिस्ट

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

गुजवि में 63वें डीएई सोलिड स्टेट फिजिक्स सिम्पोजियम का 18 दिसंबर से 22 दिसंबर तक आयोजन किया जा रहा है। यह वार्षिक सिम्पोजियम भाभा परमाणु शोध केंद्र व गुजवि द्वारा संयुक्त रूप से किया जाएगा।

- हरियाणा को दूसरी बार मिल रहा मेजबानी का मौका, जर्मनी और जापान से भी पहुंचेंगे वैज्ञानिक

गुजवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि सिम्पोजियम में करीब 1000 वैज्ञानिक भाग लेंगे। जर्मनी, जापान तथा यूके से भी प्रसिद्ध वैज्ञानिक प्लीनरी वक्ताओं के रूप में उपस्थित रहेंगे। इस वर्ष देशभर के विश्वविद्यालयों एवं संस्थानों से 1500 से ज्यादा योगदान पत्र प्राप्त हुए हैं। जिनमें से 720 को प्रस्तुति के लिए स्वीकार किया गया है। पांच दिवसीय आयोजन में विषय विशेषज्ञ, प्लीनरी टॉक, इनवांइटेड टॉक तथा एक्सपर्ट लेक्चर्स देंगे। यंग अचीवर अवार्ड नोमिनी तथा पीएचडी थिसिज की प्रस्तुति भी दी जाएगी। भारत सरकार के परमाणु ऊर्जा विभाग के चेयरमैन प्रो. केएन व्यास की कार्यक्रम के मुख्यातिथि होने की संभावना है। आईआईएससी बैंगलोर तथा इंडियन एकेडमी ऑफ साइंस के प्रो. एके सूद प्लीनरी के वक्ताओं में से एक होंगे।

एआईओएफ करेगा ऑनलाइन प्रोसिडिंग प्रकाशित

सिम्पोजियम की प्रोसिडिंग, अमेरिकन इंस्टीच्यूट ऑफ फिजिक्स अमेरिका द्वारा ऑनलाइन प्रकाशित की जाएगी। सिम्पोजियम के दौरान वैज्ञानिकों के व्याख्यान मैटर फिजिक्स के महत्वपूर्ण पहलुओं जैसे फेज ट्रांजिशन, बायोलोजिकल सिस्टम और नेनो मेटीरियल सहित सॉफ्ट कंडेंस्ड मेटर आदि की जानकारी देंगे।

20 साल बाद मेजबानी का मौका

गुजवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि यह कार्यक्रम बीस साल बाद हरियाणा में हो रहा है। इससे पहले 1998 में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। यह सिम्पोजियम केवल हरियाणा के ही नहीं बल्कि देशभर के

हिसार। पत्रकार वार्ता को सम्बोधित करते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। फोटो: हरिभूमि

विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को गुणवत्ता आधारित रिसर्च के लिए प्रेरित करेगा। 62वां सोलिड स्टेट फिजिक्स सिम्पोजियम भाभा परमाणु शोध केन्द्र, मुम्बई में 26 दिसम्बर से 30 दिसम्बर 2017 तक हुआ था।

1957 में हुई थी शुरुआत

सोलिड स्टेट संगोष्ठी की शुरूआत 1957 में लो एनर्जी न्युक्लीयर फिजिक्स के वार्षिक सिम्पोजियम के रूप में हुई थी। 1964 में इसे न्युक्लीयर फिजिक्स एंड सोलिड स्टेट फिजिक्स सिम्पोजियम के रूप में जाना जाने लगा। 1984 से यह न्युक्लीयर फिजिक्स सिम्पोजियम तथा सोलिड स्टेट फिजिक्स सिम्पोजियम के रूप में दो भागों में बंट गया।

ये होंगे संयोजक

सिम्पोजियम के संयोजक भाभा परमाणु शोध केंद्र, मुंबई के प्रो. एसएम यूसुफ होंगे। सिम्पोजियम के सचिव भाभा परमाणु शोध केन्द्र, मुम्बई के एटॉमिक मोलीक्यूलर फिजिक्स डिवीजन के डॉ. अरूप विसवास तथा भाभा परमाणु शोध केंद्र, मुम्बई के सोलिड स्टेट फिजिक्स डिवीजन के डॉ. विरेन्द्र के. शर्मा होंगे।

विश्वविद्यालय की तरफ से फिजिक्स विभाग की प्रो. सुनीता श्रीवास्तव सिम्पोजियम की संयोजक होंगी।

हरिभूमि - 8/12/18

सिंपोजियम में 1000 वैज्ञानिक होंगे शामिल

प्रेसवार्ता में जीजेयू के कुलपति ने बताया, भाभा परमाणु शोध केंद्र और गुजवि मिलकर करेंगे सिंपोजियम

जागरण संवाददाता हिसार : गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय में 63वें डीएई सोलिड स्टेट फिजिक्स सिम्पोजियम (डीएई-एसएसपीएस) का 18 से 22 दिसंबर 2018 तक आयोजन किया जाएगा। यह वार्षिक सिम्पोजियम भारत के परमाणु ऊर्जा विभाग के बोर्ड ऑफ रिसर्च इन न्युक्लीयर साइंस की ओर से प्रायोजित है और इसका आयोजन भाभा परमाणु शोध केन्द्र व गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से किया जाएगा। यह कार्यक्रम बीस साल बाद हरियाणा में हो रहा है। इससे पहले 1998 में इस कार्यक्रम का आयोजन हरियाणा में हुआ था।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय में इस संबंध में आयोजित एक पत्रकार वार्ता में कहा कि यह देश के बड़े कार्यक्रमों में से एक है, जिसमें लगभग 1000 वैज्ञानिक भाग लेंगे। इस वर्ष देशभर के विश्वविद्यालयों एवं संस्थानों से 1500 से ज्यादा योगदान पत्र प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 720 को प्रस्तुति के लिए स्वीकार किया गया है।

पत्रकार वार्ता को सम्बोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

परमाणु ऊर्जा विभाग के चेयरमैन होंगे मुख्यअतिथि

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि भारत सरकार के परमाणु ऊर्जा विभाग के चेयरमैन प्रो. केएन व्यास की कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि शिरकत करने की संभावना है। आइआइएससी बंगलुरू और इंडियन एकेडमी ऑफ साइंस के प्रो. एके सूद प्लीनरी के वक्ताओं में से एक होंगे। जर्मनी, जापान तथा यूके से भी प्रसिद्ध वैज्ञानिक प्लीनरी वक्ताओं के रूप में उपस्थित रहेंगे।

मैटर फिजिक्स के महत्वपूर्ण पहलुओं पर होंगे व्याख्यान

भाभा परमाणु शोध केन्द्र सहित देशभर के आइआइटी, आइआइएससी, आइआइएसइआर और अन्य डीएई और डीएसटी संस्थानों के वैज्ञानिक मैटर फिजिक्स से सम्बंधित महत्वपूर्ण विषयों पर अपने व्याख्यान देंगे। सिम्पोजियम के दौरान वैज्ञानिकों के व्याख्यान मैटर फिजिक्स के महत्वपूर्ण पहलुओं जैसे फेज ट्रांजिशन, बायोलोजिकल सिस्टम और नेनो मेटीरियल सहित सॉफ्ट कंडेंस्ड मेटर आदि की विस्तृत जानकारी देंगे।

प्रो. युसुफ होंगे सिंपोजियम के संयोजक

सिम्पोजियम के संयोजक भाभा परमाणु शोध केंद्र, मुम्बई के प्रो. एसएम यूसुफ होंगे। सिम्पोजियम के सचिव भाभा परमाणु शोध केन्द्र, मुम्बई के एटॉमिक मोलीक्यूलर फिजिक्स डिवीजन के डा. अरूप विसवास और भाभा परमाणु शोध केन्द्र, मुम्बई के सोलिड स्टेट फिजिक्स डिवीजन के डा. विरेन्द्र के. शर्मा होंगे। विश्वविद्यालय की तरफ से फिजिक्स विभाग की प्रो. सुनीता श्रीवास्तव सिम्पोजियम की संयोजक होंगी।

गुणवता आधारित रिसर्च के लिए प्रेरित करेगा सिंपोजियम

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि यह विश्वविद्यालय और हरियाणा के लिए अत्यंत गौरवपूर्ण कार्यक्रम है। यह सिम्पोजियम केवल हरियाणा के ही नहीं बल्कि देशभर के विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को गुणवत्ता आधारित रिसर्च के लिए प्रेरित करेगा। साथ ही यह शोध व शिक्षण के लिए भी जागरूकता उत्पन्न करेगा। यह सिम्पोजियम विश्वविद्यालय को देशभर के विज्ञान एवं तकनीकी संस्थानों में अग्रणीय रूप से स्थापित करने में महत्वपूर्ण साबित होगा।

1957 में हुई थी शुरुआत

सोलिड स्टेट संगोष्ठी की शुरुआत 1957 में लो एनर्जी न्यूक्लीयर फिजिक्स के वार्षिक सिम्पोजियम के रूप में हुई थी। 1964 में इसे न्यूक्लीयर फिजिक्स एंड सोलिड स्टेट फिजिक्स सिम्पोजियम के रूप में जाना जाने लगा। 1984 से यह न्यूक्लीयर फिजिक्स सिम्पोजियम और सोलिड स्टेट फिजिक्स सिम्पोजियम के रूप में दो भागों में बंट गया। यह सिम्पोजियम भारत के परमाणु ऊर्जा विभाग के लिए ऐतिहासिक महत्व रखता है। 62वां सोलिड स्टेट फिजिक्स सिम्पोजियम भाभा परमाणु शोध केन्द्र, मुम्बई में 26 से 30 दिसम्बर 2017 तक हुआ था।

दैनिक जागरण - 9/12/18

पहल • जीजेयू 40 कम्प्यूटर की लैंग्वेज लैब भी स्थापित करेगा, मल्टीनेशनल कंपनियों में लैंग्वेज की ज्यादा डिमांड

जीजेयू ने खरीदा 4.5 लाख रुपये का मॉडर्न सॉफ्टवेयर अमेरिकन व ब्रिटिश लैंग्वेज में स्टूडेंट बन सकेंगे एक्सपर्ट

सुभाष चंद्र | हिसार

जीजेयू के स्टूडेंट्स अब मॉडर्न सॉफ्टवेयर के जरिये अमेरिकन और ब्रिटिश लैंग्वेज के भी एक्सपर्ट बन सकेंगे। विवि ने अपने स्टूडेंट्स को अंग्रेजी में निपुण बनाने के लिए व उनकी पर्सनालिटी डिवेलपमेंट के लिए एक सॉफ्टवेयर खरीदा है। इसके जरिये स्टूडेंट्स अंग्रेजी लैंग्वेज के बेस को गहराई से समझकर सही तरीके से उच्चारण कर पाएंगे। स्टूडेंट्स कोर्सेस में ही सॉफ्टवेयर के जरिये यह स्टडी कर पाएंगे। इसके लिए जीजेयू 40 कम्प्यूटर की लैंग्वेज लैब भी स्थापित करेगा।

रिन्यू न करवाया जाए तो भी चलेगा सॉफ्टवेयर

जीजेयू ने वर्डजवर्थ नाम का सॉफ्टवेयर 4.50 लाख रुपए में खरीदा है। इसकी खासियत यह होगी की 3 साल की अवधि पूरी होने के बाद भी यह काम करना बंद नहीं करेगा। सॉफ्टवेयर सामान्यतः तीन साल बाद रिन्यू किए जाते हैं, अगर रिन्यू न करवाए जाए तो यह बंद हो जाते हैं, लेकिन यह सॉफ्टवेयर रिन्यू की अवधि पूरी होने पर भी काम करना बंद नहीं करेगा।

जीजेयू में 6 हजार स्टूडेंट्स : जीजेयू में इस वर्ष स्टूडेंट्स की संख्या बढ़कर 6 हजार तक पहुंच गई है। इस वर्ष कुछ नये कोर्सेस भी शुरू किए गए हैं। जिससे स्टूडेंट की संख्या बढ़ी है। मैकेनिकल इंजीनियरिंग, एमबीए, प्रिंटिंग, फार्मेसी, इनवायरमेंटल साइंस, कम्युनिकेशन मैनेजमेंट कोर्सेस की स्टडी अंग्रेजी लैंग्वेज में होती है, अंग्रेजी स्किल सुधारकर स्टूडेंट्स अपनी परफॉरमेंस भी सुधार सकेंगे ओर साथ ही उनके रिजल्ट में भी सुधार होगा। मल्टीनेशनल कंपनियों में अंग्रेजी लैंग्वेज में ही ज्यादा डिमांड रहती है।

अगर गलत उच्चारण किया तो सॉफ्टवेयर देगा इंडिकेशन

इस सॉफ्टवेयर के जरिये स्टूडेंट आसानी से अंग्रेजी लैंग्वेज सीख सकेंगे। सॉफ्टवेयर में अमेरिकन व ब्रिटिश लैंग्वेज के सही उच्चारण की टेक्नीक डाली गई है। अगर स्टूडेंट्स किसी वाक्य को अंग्रेजी में सही ढंग से नहीं बोलते तो यह तुरंत गलती पकड़ आगाह कर देगा। अंग्रेजी स्पीकिंग कोर्स का इससे स्टूडेंट्स स्पोकन इंग्लिश भी आसानी से सीख सकेंगे।

इंस्टाल करके देंगे ट्रेनिंग

विवि में इस सॉफ्टवेयर के इस्तेमाल के लिए इसे कंप्यूटर में इंस्टाल किया जाएगा। इसके बाद इसे प्रयोग किया जा सकेगा। सॉफ्टवेयर की जानकारी के लिए स्टूडेंट्स व टीचर की ट्रेनिंग भी आयोजित की जाएगी।

स्टूडेंट्स को आगे बढ़ाने व अंग्रेजी लैंग्वेज पर पकड़ बनाने के लिए यह सॉफ्टवेयर खरीदा गया है। इससे स्टूडेंट्स की पर्सनालिटी इंप्रूव होगी, जिससे वो जॉब प्लेसमेंट में इंटरव्यू भी कांफीडेंस से दे सकेंगे। -प्रो. टंकेश्वर कुमार, वीसी, जीजेयू, हिसार।

दैनिक भास्कर - 10/12/18

देश की आईटी पर प्रो. कुंडू का शोध दुनिया में अव्वल

▪ रिसर्च में पाया भारत की आईटी इंडस्ट्री सबसे यंग और महिलाओं की भागीदारी सबसे ज्यादा, इसलिए ग्रोथ में भी आगे

सुभाष चंद्र | हिसार

जीजेयू के प्रोफेसर एससी कुंडू के एक शोध को वर्ष 2018 के लिए आउटस्टैंडिंग रिसर्च पेपर घोषित किया गया है। जीजेयू के लिए यह एक बड़ी उपलब्धि है। वर्कफोर्स डायवर्सिटी एंड ऑर्गेनाइजेशनल परफॉरमेंस : ए स्टडी ऑफ आईटी इंडस्ट्री इन इंडिया विषय पर यह रिसर्च पेपर एमरॉल्ड के इंटरनेशनल जरनल एम्पलॉयज रिलेशन में प्रकाशित हुई है। एमरॉल्ड पब्लिशिंग ग्रुप ने प्रो. एससी कुंडू व रिसर्च में उनकी सहयोगी रही छात्रा अर्चना मोर को सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया। इस रिसर्च पेपर को एक साल तक सोशल मीडिया पर पब्लिश भी किया जा सकता है। इसको वर्ल्ड के बेस्ट रिसर्चर फॉलो कर रहे हैं।

प्रो. एससी कुंडू की रिसर्च में यह बातें सामने आई कि भारत में अन्य क्षेत्रों की अपेक्षा आईटी के क्षेत्र में महिलाएं पुरुषों के बराबर भागीदारी निभा रही हैं। इसका परिणाम है कि यह इंडस्ट्री अन्य इंडस्ट्रीज के मुकाबले अधिक विकास कर रही है। रिसर्च में ये पता लगाने की कोशिश की गई कि आईटी कंपनियों में जब जातिगत भेदभाव से ऊपर उठकर बेस्ट वर्कफोर्स को चांस दिया गया, तब कंपनियों की परफॉरमेंस बढ़ी है। इसके लिए भारत की आईटी कंपनी के 402 प्रोफेशनल्स मैनेजर पर 2014 से 2015 तक ऑनलाइन सर्वे किया गया। इस तरह एकत्रित डेटा को मॉडर्न स्टेटिकल टेक्निक्स के द्वारा एनालिसिस किया गया। बकौल कुंडू देश में कंपनियां भी अमेरिका जेंडर डायवर्सिटी सिस्टम को फॉलो कर जल्द ग्रोथ कर सकती हैं। 2004 में भी एमरॉल्ड ग्रुप के जरनल डायवर्सिटी थीम पर प्रो. एससी कुंडू का रिसर्च पेपर टॉप थ्री में रहा था। इंडस्ट्रियल मैनेजमेंट एंड डेटा सिस्टम में यह जर्नल 2003 में पब्लिश हुआ था। बता दें कि एमरॉल्ड ग्रुप पब्लिशर कंपनी मैनेजमेंट, बिजनेस एजुकेशन, लाइब्रेरी स्टडीज, हेल्थ केयर, इंजीनियरिंग में एकेडमिक जर्नल को पब्लिश करती है। यह लंदन में 1967 में स्थापित की गई थी।

जीजेयू के प्रो. एससी कुंडू व छात्रा अर्चना मोर एमरॉल्ड ग्रुप के पब्लिशिंग ग्रुप के जरनल के वर्ल्ड नंबर वन घोषित होने के बाद सर्टिफिकेट के साथ।

रिसर्च में थे ये सवाल

- क्या भिन्न जेंडर व भिन्न कैटेगरी के एम्प्लाय विविधता को समझने में मतभेद रखते हैं?
- क्या पुरुष कर्मचारी महिला कर्मचारियों को एक्सपोजर से रोकते हैं?
- क्या महिलाओं को भी समान प्रेजेंटेशन देने का मौका मिलता है?

अन्य इंडस्ट्री में महिलाओं की भागीदारी कम

रिसर्च में यह तथ्य भी सामने आया है कि आईटी इंडस्ट्री एक नई व यंग इंडस्ट्री है। साथ ही यहां महिलाओं को मार्केटिंग, प्रेजेंटेशन सहित अहम कार्यों में भागीदार बनाया गया है। इसमें लगातार एजुकेशन लेवल बढ़ा है। स्टील इंडस्ट्री, ऑटोमोबाइल, पब्लिशिंग, प्रिंटिंग, कैमिकल इंडस्ट्री सहित अन्य क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी काफी कम है।

एशियन पैरा गेम्स की गोल्ड मेडलिस्ट एकता भ्याण ने कहा

दुर्घटना के बाद शतरंज खेलना शुरू किया तो मिली नई ऊर्जा व दिशा

- गुजवि में अखिल भारतीय इंटर विश्वविद्यालय महिला शतरंज प्रतियोगिता का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▸▸| हिसार

हिसार। शतरंज की चाल चलकर पांच दिवसीय अखिल भारतीय इंटर विश्वविद्यालय शतरंज प्रतियोगिता का शुभारंभ करती एकता भ्याण। फोटो: हरिभूमि

एशियन पैरा गेम्स, 2018 की गोल्ड मेडलिस्ट एकता भ्याण ने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ खेलकूद भी बहुत आवश्यक है। युवाओं को परिणाम की चिंता ना करते हुए कठोर परिश्रम करना चाहिए।

शतरंज व्यक्ति के दिमाग को स्वस्थ बनाता है। एकता भ्याण सोमवार को गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में शुरू हुई पांच दिवसीय अखिल भारतीय इंटर विश्वविद्यालय शतरंज प्रतियोगिता (महिला) के उद्घाटन समारोह को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रही थी। समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार पुंडीर ने की। इस अवसर पर छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. विनोद कुमार बिश्नोई, खेल निदेशक डा. एसबी लुथरा, व सहायक खेल निदेशक मृणालिनी नेहरा भी उपस्थित रहे।

आगे बढ़ने के लिए शिक्षा बहुत महत्वपूर्ण

एकता भ्याण ने कहा कि मेरे दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद मैंने शतरंज खेलना शुरू किया था, जिसने मुझे एक नई ऊर्जा व दिशा दी। उन्होंने कहा कि हमें किसी भी क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए शिक्षा बहुत महत्वपूर्ण है और सफलता हासिल करने के लिए मेहनत बहुत आवश्यक है। हमें परिणाम की चिंता नहीं करनी चाहिए।

युवाओं को अपनी सीमाओं का विशेष ध्यान रखना चाहिए। आज हमारा युवा नकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ रहा है, जो गलत है। युवाओं को अपने कैरियर पर फोकस करना चाहिए।

शतरंज से मानसिक बुद्धि का विकास : पुंडीर

विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार पुंडीर ने कहा कि शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य भी बहुत महत्वपूर्ण है।

शतरंज एक ऐसा खेल है, जो महाभारत काल से खेला जा रहा है। इस खेल से हमारी मानसिक बुद्धि का विकास होता है। उन्होंने कहा कि आज भारत देश रक्तचाप व मधुमेह रोग से ग्रस्त है। यदि हम प्रतिदिन योग करें व हमारा युवा खेलों में भाग ले तो इन बिमारियों से निजात पा सकते हैं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के लिए हार-जीत महत्वपूर्ण नहीं है बल्कि प्रतियोगिता में भाग लेना महत्वपूर्ण है।

प्रतियोगिता में 16 टीमें ले रही भाग

खेल निदेशक डा. एस.बी. लुथरा ने स्वागत सम्बोधन प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि पांच दिवसीय शतरंज प्रतियागिता विश्वविद्यालय के चौधरी रणबीर सिंह सभागार में आयोजित की जा रही है।

इसमें 16 टीमें भाग ले रही है। यह प्रतियोगिता स्विसलीग के आधार पर छः राउंड के हिसाब से भारतीय शतरंज एसोसिएशन के नियमानुसार करवाई जा रही है। सहायक खेल निदेशक मृणालिनी नेहरा ने धन्यवाद संबोधन प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. विनोद कुमार बिश्नोई, गौरव छाबड़ा, राजीव अहलावत मुख्य रूप से निर्णायक की भूमिका निभाएंगे।

हरिभूमि - 11/12/18

ऑन-कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित, 7 विद्यार्थियों का हुआ चयन

चयनित विद्यार्थियों के साथ कंपनी और प्लेसमेंट सेल के अधिकारीगण।

हिसार : गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल ने ऑन-कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया। इसमें बीटेक सीएसई, आइटी, ईसीई व एमसीए के 7 विद्यार्थियों का आइटी कंपनी कोलाबेरा ने चयन किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई दी व उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के सहायक निदेशक आदित्यवीर सिंह ने बताया कि इस ड्राइव में 58 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इनमें से बीटेक सीएसई के शुभम सरदाना, देवांशी अग्रवाल, नमिता पटयाल, बीटेक आइटी के अमित कुमार, भूपेश छाबड़ा व प्रज्ञा और बीटेक ईसीई की शुभि रस्तोगी का चयन हुआ। चयनित विद्यार्थी जून 2019 में ज्वाइन करेंगे। (जासं)

जीजेयू के प्रोफेसर बीएस खटकड़ कार्ल होस्नी अवॉर्ड से सम्मानित

हिसार | जीजेयू के सीनियर प्रोफेसर बीएस खटकड़ को प्रो. कार्ल होस्नी अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। मैसूर में एसोसिएशन ऑफ फूड साइंटिस्ट एंड टेक्नोलॉजी ऑफ इंडिया की ओर से 12 दिसंबर को आयोजित फूड कॉन्फ्रेंस में उन्हें यह सम्मान दिया गया। प्रोफेसर बीएस खटकड़ की इस उपलब्धि पर उन्हें वीसी प्रो. टंकेश्वर कुमार, प्रो. कर्मपाल नरवाल सहित विवि के सभी टीचर व अन्य लोगों ने बधाई दी।

दैनिक भास्कर -14-12

जीजेयू : विद्यार्थी ऑनलाइन ही जमा करवा सकेंगे असाइनमेंट

कुलपति ने विश्वविद्यालय के आईटी सेल में ऑनलाइन सॉफ्टवेयर का किया उद्घाटन

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय से दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से शिक्षा ग्रहण करने वाले विद्यार्थियों को असाइनमेंट जमा करवाने के लिए विश्वविद्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे।

विश्वविद्यालय ने ऑनलाइन सॉफ्टवेयर लांच किया है, जिसके तहत विद्यार्थी अपने असाइनमेंट ऑनलाइन जमा करवा सकेंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय के आईटी सेल में मंगलवार को ऑनलाइन सॉफ्टवेयर का उद्घाटन किया। इस दौरान परीक्षा नियंत्रक प्रो. यशपाल सिंगला व दूरस्थ शिक्षा निदेशालय के निदेशक प्रो. एमसी गर्ग भी उपस्थित रहे।

असाइनमेंट के लिए ऑनलाइन सॉफ्टवेयर की शुरुआत करते कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार।

सादे कागज पर काले व नीले पैन से लिखने होंगे असाइनमेंट

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से शिक्षा ग्रहण करने वाले विद्यार्थियों को अपने असाइनमेंट सादे कागज पर काले व नीले पैन से लिखने होंगे। कंप्यूटर द्वारा तैयार किए गए असाइनमेंट मान्य नहीं होंगे। इस सॉफ्टवेयर में विद्यार्थियों को दाखिले के समय प्राप्त हुए लॉग-इन आईडी व पासवर्ड का प्रयोग करना होगा। विद्यार्थी को अपने असाइनमेंट पीडीएफ फारमेट में तैयार करके अपलोड करने होंगे, जिनका साइज 10 एमबी से कम होना चाहिए। उन्होंने बताया कि सॉफ्टवेयर के तहत परीक्षक भी ऑनलाइन ही असाइनमेंट का मूल्यांकन कर सकेंगे।

आईटी सेल ने तैयार किया है सॉफ्टवेयर

आईटी सेल के उपकुलसचिव सुरेंद्र सहगल ने बताया कि यह सॉफ्टवेयर विश्वविद्यालय के आईटी सेल द्वारा तैयार किया गया है। विश्वविद्यालय के सभी परीक्षकों को लॉग-इन आईडी व पासवर्ड दे दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि अभी यह सुविधा एमएससी कंप्यूटर साइंस, एमएससी कंप्यूटर साइंस लेटरल एंट्री, एमसीए त्रि-वर्षीय, एमसीए द्विवर्षीय लेटरल एंट्री, एमसीए एक वर्षीय लेटरल एंट्री, एमबीए, एमबीए लेटरल एंट्री, एमबीए एक अतिरिक्त स्पेशलाइजेशन के साथ, एमएससी गणित व पीजीडीसीए के विद्यार्थियों को प्रदान की गई है। इस मौके पर प्रो. एससी कुंडू, प्रो. कर्मपाल नरवाल, डॉ. संजीव, उपकुलसचिव राजबीर मलिक, उपकुलसचिव रवि पाण्डेय, सहायक कुलसचिव सुनीता कटारिया, सहायक कुलसचिव राकेश भुक्कल, रामनिवास व अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

प्लेसमेंट ड्राइव के दौरान जीजेयू के सात विद्यार्थियों को मिली जॉब

हिसार। गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल द्वारा ऑन-कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया। इसमें बीटेक सीएसई, आईटी, ईसीई व एमसीए के विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्लेसमेंट ड्राइव में नोएडा स्थित निजी कंपनी द्वारा सात विद्यार्थियों का चयन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार पुंडीर ने चयनित विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट से के सहायक निदेशक आदित्यवीर सिंह ने बताया कि इस ड्राइव में 58 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इसमें लिखित परीक्षा, ग्रुप डिस्कशन व साक्षात्कार के बाद बीटेक सीएसई के शुभम सरदाना, देवांशी अग्रवाल, नमिता पटयाल, बीटेक आईटी के अमित कुमार, भूपेश छोंवड़ा व प्रज्ञा तथा बीटेक ईसीई की शुभि रस्तोगी का चयन हुआ। चयनित विद्यार्थी जून 2019 में ज्वाइन करेंगे। उन्होंने बताया कि कंपनी के प्रतिनिधि सोनू त्यागी व आनंद पाण्डेय ने चयन प्रक्रिया का संचालन किया।

अमर उजाला - 12/12/18

संतुलन बनाए रखने को विज्ञान और सामाजिक विज्ञान को साथ रखना जरूरी : प्रो. बीके पूनिया

जीजेयू में कॉमर्स इकोनोमिक्स व मैनेजमेंट विषय पर चल रहा रिफ्रेशर कोर्स व लघु अवधि कोर्स संपन्न

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। राष्ट्र की उन्नति व विकास के लिए विज्ञान व सामाजिक विज्ञान दोनों का बहुत महत्व है। प्रणाली का संतुलन बनाए रखने के लिए विज्ञान व सामाजिक विज्ञान को साथ रखना बहुत आवश्यक है। शोधार्थी को समाज से जुड़ी हुई समस्याओं को ध्यान में रखते हुए शोध के विषयों का चयन करना चाहिए। यह बात महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक के कुलपति प्रो. बीके पूनिया ने कही। वे शनिवार को जीजेयू के मानव संसाधन विकास केंद्र द्वारा कॉमर्स इकॉनोमिक्स व मैनेजमेंट विषय पर चल रहे 28 दिवसीय रिफ्रेशर कोर्स व लघु अवधि कोर्स के समापन समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. पवन कुमार शर्मा, मानव संसाधन विकास केंद्र के निदेशक प्रो. नीरज दिलबागी व प्रो. देवेंद्र कुमार भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर कोर्स समन्वयक डॉ. दलबीर सिंह व डॉ. विकास वर्मा भी उपस्थित रहे। डॉ. अनुराग सांगवान ने मंच संचालन किया। प्रो. बीके पूनिया ने कहा कि समाज को जोड़ने व शोध से होने वाले लाभ से समाज को जागरूक करने के लिए विज्ञान व सामाजिक विज्ञान को एक साथ लेकर चलना पड़ेगा। प्रभावशाली शिक्षण के लिए जरूरी है कि आधुनिक तकनीकों का प्रयोग किया जाए। उन्होंने कहा कि शिक्षकों द्वारा किया गया यह कोर्स विद्यार्थियों के लिए बहुत लाभदायक रहेगा।

मुख्यातिथि एमडीयू के कुलपति प्रो. बीके पूनिया को सम्मानित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

शिक्षक को भी शिक्षा ग्रहण करते रहना चाहिए : कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. पवन कुमार शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि विद्यार्थियों को अच्छी शिक्षा प्रदान करने के लिए शिक्षक को भी लगातार शिक्षा ग्रहण करनी चाहिए। नई तकनीकों से अपडेट शिक्षक ही विद्यार्थियों को अच्छी शिक्षा प्रदान कर सकता है।

71 शिक्षकों और शोधार्थियों ने लिया भाग

मानव संसाधन विकास केन्द्र के निदेशक प्रो. नीरज दिलबागी ने स्वागत संबोधन प्रस्तुत करते हुए कहा कि 28 दिवसीय कोर्स के दौरान लघु अवधि कोर्स भी चलाया गया। दोनों कोर्सों में हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, महाराष्ट्र, केरला, उत्तर प्रदेश व गोवा से कुल 71 शिक्षकों व शोधार्थियों ने भाग लिया। उन्होंने कहा कि वर्तमान दौर में शिक्षकों व शोधार्थियों के लिए इस प्रकार के कार्यक्रम बेहद जरूरी हैं। डॉ. विकास वर्मा ने कोर्स से संबंधित रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि कोर्स के दौरान 20 तकनीकी व 10 व्यवहारिक सत्र रखे गए। डॉ. अनुराग सांगवान ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। समारोह में कोर्स से संबंधित स्मारिका का विमोचन किया गया और प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

नई तकनीक से जुड़कर अपडेट रहें शिक्षक : प्रो. टंकेश्वर

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि शिक्षक वर्ग को नई तकनीक के साथ जुड़कर स्वयं को अपडेट रखना चाहिए। कॉमर्स, इकॉनोमिक्स व मैनेजमेंट विषय में सफलता हासिल करने तथा कुछ नया करने के लिए कंप्यूटर व आंकड़ों की बहुत आवश्यकता है। शिक्षक द्वारा विद्यार्थियों को ज्यादा से ज्यादा व्यवहारिक ज्ञान प्रदान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि डाटा संग्रहण व डाटा विश्लेषण शोध में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शोधार्थी को सांख्यिकीय विधियों को सही तरीके से शोध में प्रयोग करना चाहिए ताकि शोध के परिणामों को समाज हित में प्रयोग किया जा सके।

अमर उजाला - 16-12-18

शोध • जीजेयू में 63वीं नेशनल कॉन्फ्रेंस में पहुंचे डॉ. टाटा नारासिंगा राव ने साझा की अपनी रिसर्च

टाइटेनियम के नैनो मीटर पार्टिकल से कपड़े बिना धुले ही सिर्फ धूप में सुखाने से बैक्टीरिया और मैल हो जाएगा साफ

सुभाष चंद्र | हिसार

कपड़े साफ करने के लिए अब उन्हें धोने की आवश्यकता नहीं है, सिर्फ धूप में सुखाने से ही वो साफ हो जाएंगे। यह जानकारी जीजेयू में 63वीं डीएई सॉलिड स्टेट फिजिक्स सिम्पोजियम में हैदराबाद के इंटरनेशनल एडवांस्ड रिसर्च सेंटर फोर पाउडर एंड मटीरियलल्स सेंटर के डॉ. टाटा नारासिंगा राव ने दी। उन्होंने बताया की टाइटेनियम के नैनो मीटर पार्टिकल के जरिये कपड़ों को सिर्फ धूप में सुखाने से ही उन्हें साफ किया जा सकता है। ऐसा टाइटेनियम फोटोकेटालिसिस टेक्नोलॉजी के जरिये किया जा सकता है। इस टेक्नीक में टाइटेनियम के 10 नैनो मीटर साइज को कपड़े में मिक्स किया जाता है तो मानव बाल के 1000वें हिस्से के बराबर है।

यह है प्रोसेस : 1000 ग्राम लिक्विड में 1 ग्राम टाइटेनियम पेट्राआइसोप्रोपाक्साइड को मिलाना होता है। फोटोकेटालिसिस टेक्नोलॉजी के जरिये टाइटेनियम के केमिकल पेट्राआइसोप्रोपाक्साइड को किसी भी कपड़े में मिक्स किया जाता है। 1000 ग्राम लिक्विड में 1 ग्राम टाइटेनियम पेट्राआइसोप्रोपाक्साइड को मिलाया जाता है। टाइटेनियम के इस केमिकल में बैक्टीरिया व विभिन्न प्रकार के मैल अथवा गंद को नष्ट करने की क्षमता होती है। हालांकि इसके लिए सनलाइट जरूरी है। इस तरह से तैयार किए गए कपड़े को यदि हम धूप में सुखाते हैं तो सूर्य की किरणें टाइटेनियम केमिकल के चलते बैक्टीरियल व मैल को ऑब्जर्व कर लेती हैं, जिससे कपड़ा उसी तरह साफ हो जाता है जैसे उसे वाशिंग मशीन या फिर हाथों से धोया जाता है।

जानिए इसके फायदे - मैनपावर, इलेक्ट्रिसिटी और पानी की होगी बचत

डॉ. टाटा की यह रिसर्च कंपलीट हो चुकी है। इसका पेटेंट भी करवाया जा चुका है। सिर्फ धूप में कपड़े सुखाने से साफ हो जाने से इन्हें धोने की समस्या से तो छुटकारा मिलेगा साथ ही पानी और मैनपावर की भी बचत होगी। वहीं वाशिंग मशीन का प्रयोग भी नहीं करना पड़ेगा, जिससे इलेक्ट्रिसिटी की भी बचत होगी। देश में रोजाना कपड़े धोने के लिए करोड़ों टन पानी व लाखों यूनिट बिजली खर्च होती है। इस टेक्नोलॉजी के जरिये बिजली व पानी दोनों के खर्च को बचाया जा सकता है।

सिल्वर से भी बैक्टीरिया हो सकता है नष्ट : सिल्वर पर भी डा. टाटा ने रिसर्च की है, सिल्वर का केमिकल सिल्वर नाइट्रेट बैक्टीरिया को नष्ट कर देता है, इसलिए बच्चों के बर्तनों के लिए अधिकतर सिल्वर का प्रयोग किया जाता है, बैक्टीरिया नष्ट होने से संक्रमण फैलने का खतरा कम हो जाता है ओर इससे बच्चों में संक्रमण के चलते होने वाली बीमारियों पर कंट्रोल किया जा सकता है।

अमर उजाला - 20/12/18

जीजेयू में पृथ्वी विज्ञान ओलंपियाड 19 जनवरी को

देश के 80 से अधिक परीक्षा केंद्रों सहित जीजेयू के पर्यावरण विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग में होगी प्रवेश परीक्षा

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। स्कूल के बच्चों के बीच पृथ्वी और पर्यावरण विज्ञान में रुचि पैदा करने के लिए गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय पृथ्वी विज्ञान ओलंपियाड-2019 का आयोजन किया जाएगा। विश्वविद्यालय के पब्लिक आउटरीच कार्यालय के सौजन्य से जियोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में देश के 80 से अधिक परीक्षा केंद्रों सहित जीजेयू के पर्यावरण विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग में 19 जनवरी 2019 को प्रवेश परीक्षा का आयोजन होगा। ये जानकारी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने दी

कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार पुंडीर ने भी विभाग के इन प्रयासों की सराहना की है। केंद्रीय प्रभारी एवं समन्वयक तथा विश्वविद्यालय के पब्लिक आउटरीच निदेशक प्रो. आर. बास्कर, समन्वयक एवं सहायक प्रोफेसर डॉ. मोना शर्मा तथा देवेंद्र मुदगिल इस कार्यक्रम का संयोजन कर रहे हैं। प्रो. आर. बास्कर ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय पृथ्वी विज्ञान ओलंपियाड को भारत सरकार के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा प्रायोजित किया जाता है, जो भारत सरकार के आउटरीच कार्यक्रमों में से एक है। यह प्रवेश परीक्षा अंग्रेजी में होगी। इसमें जियोस्फीयर, एटमोस्फीयर, हाइड्रोस्फीयर व प्लेनेटरी साइंसिज से संबंधित वस्तुनिष्ठ प्रश्न शामिल होंगे। आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 15 जनवरी 2019 है।

छात्रों के लिए वार्षिक पृथ्वी विज्ञान प्रतियोगिता

प्रो. बास्कर ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय पृथ्वी विज्ञान ओलंपियाड माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के लिए वार्षिक पृथ्वी विज्ञान प्रतियोगिता है। इसका प्रत्येक वर्ष एक अलग देश में आयोजन होता है। यह अंतरराष्ट्रीय भूगर्भ विज्ञान संगठन की मुख्य आउटरीच गतिविधि है। देश में पृथ्वी विज्ञान ओलंपियाड कार्यक्रम में चार चरणों में होता है। इनमें राष्ट्रीय स्तर प्रवेश परीक्षा, भारतीय राष्ट्रीय पृथ्वी विज्ञान ओलंपियाड में प्रशिक्षण शिविर, पूर्व प्रस्थान प्रशिक्षण शिविर तथा अंतरराष्ट्रीय पृथ्वी विज्ञान ओलंपियाड शामिल हैं।

दक्षिण कोरिया में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे

समन्वयक एवं सहायक प्रोफेसर प्रो. बास्कर ने बताया कि भारत में प्रवेश परीक्षा के आधार पर चुने गए 25 छात्र मई 2019 में होने वाले प्रशिक्षण शिविर में भाग लेंगे। इस प्रशिक्षण शिविर में व्याख्यान, चर्चा, तारामंडल का दौरा एवं क्षेत्रीय कार्य शामिल होंगे। इनमें से शीर्ष चार विद्यार्थियों का चयन किया जाएगा, जो कि दक्षिण कोरिया में होने वाले 13वें अंतरराष्ट्रीय पृथ्वी विज्ञान ओलंपियाड-2019 में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। प्रो. बास्कर ने बताया कि हिसार के सभी स्कूल प्रधानाचार्यों को अपने विद्यार्थियों को ओलंपियाड में भाग लेने और पर्यावरण के जिम्मेदार नागरिक बनाने के लिए उनका प्रोत्साहन करना चाहिए।

अमर उजाला - 18-12-2018

सुपर कैपेस्टर से हजार गुना बढ़ेगा इलेक्ट्रिक वाहनों का पिकअप

जागरण संवाददाता, हिसार : इलेक्ट्रिक कारें और अन्य वाहन भविष्य में पेट्रोल और डीजल की कारों से कड़ी टक्कर लेंगे। एक वक्त आएगा जब वर्तमान की पेट्रोल वाली कारों की तरह इलेक्ट्रिक कारें सड़कों पर दौड़ेंगी। इलेक्ट्रॉनिक गाड़ियों को बेहतर से बेहतर बनाने के लिए दुनियाभर में वैज्ञानिकों द्वारा शोध किया जा रहा है। इलेक्ट्रिक गाड़ी का पिकअप बढ़ाने के लिए गांधीग्राम रूरल इंस्टीट्यूट तमिलनाडु के वैज्ञानिकों एवं विद्यार्थियों द्वारा सुपर कैपेस्टर तैयार किया गया है।

वह सुपर कैपेस्टर गाड़ी की पावर को 1 हजार गुणा तक बढ़ा सकता है। कैपेस्टर का साइज तो उतना ही होगा, जितना आमतौर पर प्रयोग किया जाता है, लेकिन विभिन्न तकनीकों का इस्तेमाल करके उसकी पावर बढ़ाई गई है। गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय में मंगलवार को शुरू हुए पांच दिवसीय 63वें वार्षिक सिंपोजियम के पहले दिन देश के विभिन्न संस्थानों के विद्यार्थियों और वैज्ञानिकों ने अपने पोस्टर प्रदर्शित किए रिसर्च पेपर पर प्रेजेंटेशन दी।

बता दें कि गुरु जम्भेश्वर विश्व विद्यालय भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र की इस वार्षिक संगोष्ठी के आयोजन की मेजबानी करने वाला प्रदेश का दूसरा विश्वविद्यालय बन गया है। यह 63वां वार्षिक सिंपोजियम भारत के परमाणु ऊर्जा विभाग के बोर्ड ऑफ रिसर्च इन न्यूक्लीयर साइंस द्वारा प्रायोजित है और इसका आयोजन भाभा परमाणु शोध केन्द्र और गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है। संगोष्ठी का शुभारंभ बीआरएनएस के अध्यक्ष एवं एचबीएनआइ के चांसलर प्रो. श्रीकुमार बनर्जी ने किया। अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की।

गुजरि में सोलिड स्टेट फिजिक्स सिम्पोजियम का उद्घाटन करते बीआरएनएस के अध्यक्ष एवं एचबीएनआइ के चांसलर प्रो. श्रीकुमार बनर्जी एवं अन्य। ● जागरण

244 पोस्टर पेपर किए प्रस्तुत

संगोष्ठी के पहले दिन दो मुख्य आमंत्रित वक्ताओं प्रो. एके रायचौधरी व प्रो. टाटा नरसिम्हा राव ने ट्रांसलेशनेशनल रिसर्च पर व्याख्यान दिए। संगोष्ठी के पहले दिन 14 मौखिक प्रस्तुतियां और 244 पोस्टर पेपर प्रस्तुत किए गए। इस वर्ष विभिन्न देशों के 900 से अधिक पंजीकृत प्रतिभागी हैं। हरियाणा से 50 से ज्यादा प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। संगोष्ठी में विभिन्न भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों तथा अन्य संस्थानों के विशेषज्ञ और वैज्ञानिक व्याख्यान दे रहे हैं और 24 से अधिक आमंत्रित व्याख्यान रखे गए हैं। संगोष्ठी में अमेरिका, इटली, जापान और जर्मनी से सोलिड स्टेट फिजिक्स के विषय विशेषज्ञ भी व्याख्यान देंगे।

शोध

- जीजेयू में 63वें वार्षिक सिंपोजियम का शुभारंभ
- 14 मौखिक प्रस्तुतियां और 244 पोस्टर पेपर प्रस्तुत

इलेक्ट्रिक गाड़ी में ब्रेक लगने के बाद धीरे-धीरे मिलती है पावर

पोस्टर प्रेजेंटेशन के दौरान बी जीजी रेड्डी, पी विक्रमन और ए. साइमन जस्टिन ने बताया कि पर्यावरण को देखते हुए इलेक्ट्रॉनिक गाड़ियों की डिमांड भविष्य में बढ़ने वाली है। ऐसे में जरूरी है कि ग्रीन एनर्जी पर शोध को बढ़ावा दिया जाए। जब बात इलेक्ट्रॉनिक गाड़ी की आती है तो गाड़ी के ब्रेक लगने के बाद दोबारा चलने में लगने वाली (पिकअप) पावर कम होती है। पावर कम और धीरे-धीरे मिलने के कारण गाड़ी को पहले वाली गति मिलने में देरी लगती है और बार-बार ऐसा होने पर बैटरी पर भी विपरीत असर पड़ता है।

हरियाणा में जल्द बनेगा परमाणु ऊर्जा स्टेशन : प्रो. बनर्जी

बीआरएनएस के अध्यक्ष एवं एचबीएनआइ के चांसलर प्रो. श्रीकुमार बनर्जी ने कहा कि हरियाणा में जल्द ही एक परमाणु ऊर्जा स्टेशन आ रहा है। उन्होंने कहा कि यह सिम्पोजियम देशभर के शोधार्थियों व वैज्ञानिकों को मंच प्रदान करता है। गुजवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह सिम्पोजियम अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा। पद्मश्री प्रो. एके 'सूद द्वारा' समय-संकल्प अल्ट्राफास्ट स्पेक्ट्रोस्कोपी का उपयोग करके नैनोस्केल में फोटोफिजिक्स' विषय पर व्याख्यान दिया। प्रो. सूद भारतीय विज्ञान संस्थान, बैंगलोर में भौतिकी के प्रतिष्ठित मानद प्रोफेसर हैं। इस दौरान भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के वैज्ञानिक सिंपोजियम के संयोजक प्रो. एसएम यूसुफ, प्रो. एके मोहांती, प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, डा. अरूप बिसवास ने भी संबोधित किया।

दैनिक जागरण - 19/12/18

कार्यक्रम

63वें वार्षिक सिंपोजियम भारत के परमाणु ऊर्जा विभाग के बोर्ड ऑफ रिसर्च इन न्यू क्लीयर साइंस विभाग ने किया संगोष्ठी का आयोजन

हरियाणा में जल्द ही आ रहा है परमाणु ऊर्जा स्टेशन : प्रो. बनर्जी

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र की ओर से वार्षिक संगोष्ठी का आयोजन गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में किया गया। इस संगोष्ठी की मेजबानी करने वाला गुजवि राज्य का दूसरा विश्वविद्यालय बन गया है। पांच दिवसीय 63वां वार्षिक सिंपोजियम भारत के परमाणु ऊर्जा विभाग के बोर्ड ऑफ रिसर्च इन न्यू क्लीयर साइंस द्वारा प्रायोजित है।

संगोष्ठी का उद्घाटन बीआरएनएस के अध्यक्ष एवं एचबीएनआई के चांसलर प्रो. श्री कुमार बनर्जी ने किया, जबकि अध्यक्षता मेजबान कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। इस दौरान डीएई सॉलिड स्टेट फिजिक्स सिंपोजियम के समन्वयक प्रो. एसएम यूसुफ, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र के प्रो. एके मोहंती, स्थानीय समन्वयक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, वैज्ञानिक सचिव डा. अनूप बिसवास व फिजिक्स विभाग की अध्यक्षा प्रो. सुजाता सांघी भी उपस्थित थीं। मुख्यातिथि प्रो. बनर्जी ने कहा कि हरियाणा में जल्द ही एक परमाणु ऊर्जा स्टेशन आ रहा है। इससे प्रदेश व देश को काफी फायदा होगा। इससे पहले भी कुछ परियोजनाओं का अध्ययन किया गया है। उन्होंने कहा कि भूजल के प्रदूषण में यूरेनियम अत्यंत महत्वपूर्ण तत्व है। गुजवि द्वारा भूजल के प्रदूषण में यूरेनियम की मात्रा का अध्ययन किया गया है। उन्होंने कहा कि यह सिंपोजियम देशभर के शोधार्थियों व वैज्ञानिकों को एक अत्यंत उच्च स्तरीय मंच प्रदान करता है। प्रतिवर्ष देश के किसी भाग में इसका आयोजन किया जाता है।

भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र की ओर से जीजेयू में आयोजित वार्षिक संगोष्ठी का दीप जलाकर शुभारंभ करते वीसी प्रो. टंकेश्वर कुमार।

2050 तक डीजल-पेट्रोल की गाड़ियां हाइड्रोजन व सौर ऊर्जा से भी चलेंगी : टंकेश्वर

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह सिंपोजियम समाज के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा। शिक्षा, कृषि, चिकित्सा व अन्य क्षेत्रों में भी नाभकीय व परमाणु ऊर्जा का प्रयोग लाभदायी सिद्ध होगा। संभव है कि 2050 तक डीजल व पेट्रोल से चलने वाली गाड़ियां हाइड्रोजन व सौर ऊर्जा से चलने लगें। भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र के वैज्ञानिक प्रो. एसएम यूसुफ ने कहा कि यह एक ऐसा मंच है, जिसने विदेशी विशेषज्ञों के साथ या भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र के साथ कई व्यक्तिगत सहयोग प्राप्त किए हैं।

अमर उजाला - 19/12/18

गुजवि में फिजिक्स पर दिए व्याख्यान

हिसार, 19 दिसम्बर (ब्यूरो): गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय व भाभा परमाणु शोध केन्द्र के सौजन्य से चल रहे 63वें डी.ए.ई. सोलिड स्टेट फिजिक्स सिम्पोजियम में बुधवार को विषय विशेषज्ञों ने फिजिक्स विषय पर अत्यंत महत्वपूर्ण व्याख्यान दिए। भारतीय विज्ञान संस्थान, बैंगलोर के प्रसिद्ध वैज्ञानिक प्रो. वी.वी शिनोय ने टोपोलोजिकल मैटीरियल्स विषय पर व्याख्यान दिया।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, वाराणसी के प्रो. संदीप चटर्जी व नैशनल इंस्टीच्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च, एच.बी.एन.आई., जतनी के प्रो. अजय के. नायक द्वारा 2 व्याख्यान दिए गए। प्रो. चटर्जी ने टोपोलॉजिकल इंस्युलेटर के मैग्नेटो ट्रांसपोर्ट विषय पर चर्चा की। प्रो. ए.के. नायक ने मैटीरियल्स की नई श्रेणी हिल्युसलर मैटीरियल्स की मैग्नेटिक प्रॉपर्टीज विषय पर चर्चा की।

सिम्पोजियम में उपस्थित प्रतिभागी व गुजविप्रौवि में सिम्पोजियम के प्रतिभागियों को सम्बोधित करते विषय विशेषज्ञ।

आमंत्रित व्याख्यान तथा यंग अचीवर्स अवॉर्ड की प्रस्तुतियों के सामानांतर सत्र हुए। इसके अवार्ड लिए के लिए प्रतिष्ठित संस्थानों जैसे आई.आई.टी. रोपड़, आई.आई.टी. दिगी, बी.ए.आर.सी., टी.आई. एफ.आर. इत्यादि से 7 नामांकन हुए थे। प्रतिभागी युवाओं ने अपने वर्तमान शोध कार्यों पर परिणाम प्रस्तुत किए। इनमें अगली पीढ़ी के कमरे के तापमान और 2 डायमैंसनल मैटीरियल कम बिजली गैस सैंसर, नैनोमेटीरियल में मैगनेटिज्म, मल्टीफंक्शनल डाइइलैक्ट्रिक मैटीरियल्स की प्रस्तुति शामिल हुई।

डा. एस. बनर्जी ने नोवल एलोएज की हाइड्रोजन स्टोरेज प्रोपर्टीज पर व्याख्यान दिया। जर्मनी के प्रो. बेले लेक ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर वर्तमान शोध की स्थिति की जानकारी प्रतिभागियों को दी।

बुधवार के अंतिम सत्र में गुजविप्रौवि के बायो एंड नैनो टैक्नॉलोजी विभाग के प्रो. नीरज दिलबागी ने विशेष व्याख्यान दिया। उन्होंने नैनोमटेरियल आधारित सेंसर पर चर्चा की।

प्रयोगात्मक तकनीकों पर हुए एक अन्य समांतर सत्र में भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के प्रो. पी.के. पुजारा, यूके के प्रो. पी.के. बिसवास, आई.जी.सी.ए.आर., कलपाकम के प्रो. एस. अमृथापांडियन तथा भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र की प्रो. अल्का बी. गर्ग ने व्याख्यान दिए। सायं के सत्र में भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के प्रो. एस. बनर्जी ने एक विशेष व्याख्यान से प्रतिभागियों के साथ चर्चा की।

पंजाब केसरी - 20/12/18

शोध• जीजेयू में बैंगलोर इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस के डॉ. एके सुध सहित अन्य संस्थानों के साइंटिस्ट ने प्रस्तुत किए रिसर्च टॉपिक

नैनो साइंस टेक्नोलॉजी में शियर-थिकनिंग के जरिये इंडियन आर्मी की बुलेट प्रूफ जैकेट हो जाएगी सस्ती

भास्कर न्यूज | हिसार

नैनो साइंस के जरिये आर्मी बुलेट प्रूफ जैकेट को सस्ता बनाया जा सकता है। जीजेयू में 63वीं सॉलिड स्टेट फिजिक्स सिम्पोजियम में बैंगलोर इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस से उपस्थित हुए डॉ एके सुध ने बताया की नैनो साइंस के जरिये इस पर काम किया जा रहा है, जिसमें कवलर पॉलीमर के बीच बॉडी आर्मर के प्रयोग से यह सस्ती हो सकती है। बुलेट प्रूफ जैकेट सामान्यतः 6-7 लेयर की होती है। लेकिन दो कवलर पॉलीमर के बीच शियर-थिकनिंग मटीरियल को लिक्विड फोम में कवलर पॉलीमर की दो लेयर के बीच लगाया जा सकता है। शियर-थिकनिंग के जरिये जब भी जैकेट पर बुलेट से वार किया जाएगा तो वह ठोस हो जाएगी ओर बुलेट इसे पार नहीं कर पाएगी। यह काफी सस्ती भी होगी, क्योंकि कवलर पॉलीमर काफी महंगा होता है। विवि में दूसरे दिन सरकार की ओर से डिनर पार्टी का भी आयोजन किया गया। 18 दिसंबर से शुरू हुई नेशनल कांफ्रेंस में एक हजार के करीब साइंटिस्ट, रिसर्च स्कॉलर भाग ले रहे है।

जीजेयू में 63वीं फिजिक्स नेशनल कॉन्फ्रेंस में उपस्थित साइंटिस्ट, रिसर्च स्कोलर सहित जीजेयु स्टाफ।

यंग अचीवर्स अवॉर्ड के लिए भी हुई प्रेजेंटेशन

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के प्रो. पीके. पुजारा, यूके के प्रो. पीके. बिस्वास, आईजीसीएआर, कलपाकम के प्रो. एस. अमृथापांडियन व भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र की प्रो. अल्का बी. गर्ग ने व्याख्यान दिए। यंग अचीवर्स अवॉर्ड के लिए आईआईटी रोपड़, आईआईटी दिल्ली, बीएआरसी, टीआईएफआर से 7 नामांकन हुए थे। युवाओं ने वर्तमान शोध कार्यों पर परिणाम प्रस्तुत किए। इनमें अगली पीढ़ी के कमरे के तापमान व दो डायमेंशनल मेटीरियल कम बिजली गैस सेंसर, नैनोमटीरियल में मैग्नेटिज्म, मल्टीफंक्शनल डाइलैक्ट्रिक मेटीरियल्स की प्रस्तुति शामिल हुई। डा. एस. बनर्जी ने नोबल एलोएज की हाइड्रोजन स्टोरेज प्रॉपर्टीज पर व्याख्यान दिया।

साइंटिस्ट ने ये टॉपिक किए प्रस्तुत

- भारतीय विज्ञान संस्थान, बैंगलोर के प्रसिद्ध वैज्ञानिक प्रो. वीबी शिनोय ने टोपोलोजिकल मेटीरियल्स विषय पर क्वांटम सामग्री की नई श्रेणी, जिसे टोपोलोजिकल मेटीरियल्स कहा जाता है के बारे में जानकारी दी।
- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, वाराणसी के प्रो. संदीप चटर्जी ने टोपोलॉजिकल इंसुलेटर के मैग्नेटो ट्रांसपोर्ट विषय पर चर्चा की। प्रो. एके नायक ने मटीरियल्स की नई श्रेणी हिल्यूस्लर मेटीरियल्स की मेगनेटिक प्रॉपर्टीज विषय पर टॉपिक प्रस्तुत किया।
- नैनो-स्ट्रक्चर्ड मेटीरियल्स व एक्सपेरिमेंटल टेक्नीक विषय जर्मनी के प्रो. बेले लेक ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर वर्तमान शोध की स्थिति की जानकारी दी। उन्होंने क्वांटम स्पिन लिक्विड की मैग्नेटिक प्रकृति पर सैद्धांतिक जांच पर चर्चा की।
- यूजीसी-डीएई कंसोर्टियम, इन्दौर के प्रो. जीएस ओमकरम व आसाम विवि, सिलचर के प्रो. सुजीत कुमार घोष ने नेनोस्ट्रक्चर मेटीरियल्स की ऑप्टिकल प्रॉपर्टीज पर मैग्नेटिक प्रभाव पर रिसर्च प्रस्तुत की।
- जीजेयू के बायो एंड नेनो टैक्नॉलाजी विभाग के प्रो. नीरज दिलबागी ने नैनोमटेरियल आधारित सेंसर पर चर्चा की। इसका प्रयोग विस्फोटकों के पता लगाने के लिए किया जा सकता है। कार्बन नैनोट्यूब ग्रेफिन इत्यादि जैसे नैनोमटेरियल्स, जिसमें बड़े सतह क्षेत्र व क्वांटम कनसाइनमेंट होते हैं। नैनो मेटीरियल्स से उच्च प्रदर्शन वाले रासायनिक विस्फोटकों का पता लगाया जा सकता है जो समाज के लिए अति उपयोगी हो सकता है।

हार्वेस्टिंग सौर ऊर्जा सबसे सस्ता साधन : प्रो. नंदू

गुजवि में व्याख्यान के दौरान बोले पुणे विश्वविद्यालय के प्रो. नंदू बी चौरे

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। सावित्री बाई फुले पुणे विश्वविद्यालय पुणे के प्रो. नंदू बी चौरे का कहना है कि विश्व में जनसंख्या की बढ़ोतरी के कारण ऊर्जा की मांग निरंतर बढ़ रही है। बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए हार्वेस्टिंग सौर ऊर्जा सबसे सस्ता रास्ता है। सूर्य प्रतिदिन 84 टेरा वाट ऊर्जा उत्सर्जित करता है। प्रतिदिन केवल 12 टेरा वाट ऊर्जा पूरे विश्व को चलाने के लिए पर्याप्त होती है। प्रो. चौरे गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय में चल रहे 63वें डीएई सॉलिड स्टेट फिजिक्स सिंपोजियम में विशेष व्याख्यान दे रहे थे।

सिंपोजियम के तीसरे दिन भी आमंत्रित वार्ताएं, प्रस्तुतियां व पोस्टर प्रदर्शनी जारी रही। प्रो. चौरे ने सीआईजीएस थिन फिल्म सोलर सेल की दक्षता को बढ़ाने के लिए कम लागत वाले और पर्यावरण अनुकूल तरीकों के बारे में बताते हुए कहा कि यह हार्वेस्टिंग सौर ऊर्जा में अधिकतम दक्षता प्रदान करता है। घरेलू उपकरणों में सोलर पैनलों का उपयोग उपग्रह स्थान पर जाने के लिए भी किया जाता है। आईआईएसईआर कोलकाता के प्रो. सायन भट्टाचार्य ने कहा कि नैनो स्ट्रक्चर सामग्री का उपयोग करके पानी के इलेक्ट्रो केमिकल विभाजन का प्रभावी तरीका है जो हाइड्रोजन उत्पादन की वजह से हाइड्रोजन आधारित स्वच्छ ऊर्जा का उपयोग करने के लिए सबसे अहम कदम हो सकता है। हाइड्रोजन आधारित परिवहन समाधान निकट भविष्य में पेट्रोल आधारित वाहन परिवहन को पीछे छोड़ सकता है। इसके बाद एनआईएसईआर भुवनेश्वर के प्रो. आशीष कुमार नंदी ने स्काइरमियोन्स के सैद्धांतिक पहलुओं पर आमंत्रित व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया कि मेगनेटिक स्काइरमियोन्स का उपयोग करके अत्यधिक तेज इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसेज का उत्पाद किया जा सकता है। यह मौजूदा कंप्यूटर्स की तुलना में बहुत तेजी से चल सकता है। इसके बाद देश के विभिन्न संस्थानों से आए शोधार्थियों ने कंट्रीब्यूटेड व्याख्यान दिए। वीरवार को सर्वश्रेष्ठ थीसिस प्रस्तुति के लिए युवा शोधकर्ताओं को समर्पित एक समानांतर सत्र हुआ। इस सर्वश्रेष्ठ थीसिस प्रस्तुति के लिए पूरे देश के प्रतिष्ठित संस्थानों के 31 प्रतिभागियों ने नामांकन किया, जिसमें से सात प्रतिभागियों को चुना गया। ये प्रस्तुतियां कटिंग अनुसंधान विषयों पर आधारित हैं, जिनमें कैंसर उपचार के लिए सुपर पैरामेग्नेटिक कण वाले तरल पदार्थ का उपयोग करके लेजर सहायता कैंसर उपचार, चुंबकीय तरल पदार्थ हाइपरथेरिया की संभावना शामिल है। इसके अतिरिक्त अन्य व्याख्यानों में सोलर सेल के लिए नई सामग्री, परिवेश यांत्रिक ऊर्जा और थर्मल ऊर्जा को हार्वेस्टिंग द्वारा संचालित लचीला इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसेज, जिन्हें नैनोजेनरेटर कहा जाता है, जो पोर्टेबल गैजेट्स के लिए स्वास्थ्य देखभाल निगरानी उपकरणों के लिए इलेक्ट्रॉनिक रूप से सहयोग कर रहे हैं।

जीजेयू में सिंपोजियम कार्यक्रम के दौरान प्रदर्शनी का अवलोकन करते विद्यार्थी।

बॉयो मेडिकल इंजीनियरिंग के नौ विद्यार्थियों को मिली जॉब

हिसार। गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट सेल के सौजन्य से आयोजित ऑन कैंपस इंटर्नशिप ड्राइव में बॉयो मेडिकल इंजीनियरिंग विभाग के नौ विद्यार्थियों का चयन हुआ है। बॉयो मेडिकल इंजीनियरिंग विभाग के 2019 पास आउट बैच के विद्यार्थियों के लिए दिल्ली आधारित मेडिसन हेल्थ केयर प्राइवेट लिमिटेड और किर्लोस्कर टेक्नोलॉजिज द्वारा ऑन कैंपस इंटर्नशिप ड्राइव आयोजित किए गए। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व कुलसचिव डा. एके पुंडीर ने चयनित विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

अमर उजाला - 21/12/18

कैंसर मरीजों के लिए खुशखबरी अब 100 रुपये में कराएं इलाज

संदीप बिश्नोई ● हिसार

देश के विभिन्न हिस्सों में महामारी का रूप ले चुकी कैंसर के इलाज को सस्ता और सुलभ बनाने के लिए अब मैग्नेटिक फ्लुअड हाइपर थर्मिया तकनीक का इस्तेमाल होगा। यह तकनीक वर्तमान रेडिएशन थेरेपी की बजाय कई गुणा सस्ती होगी। महज 100 रुपये में एक बार की थेरेपी करवाई जा सकेगी। वहीं इससे रेडिएशन थेरेपी जैसा नुकसान भी नहीं होगा। तमिल नाडु के कलपक्कम स्थित इंदिरा गांधी सेंटर ऑफ ऑटोमिक रिसर्च के शोधार्थियों ने इस तकनीक की खोज की है।

शोधार्थी बीबी लाहिरी और उनके सुपरवाइजर डा. जॉन फिलिप ने बताया कि इस तकनीक से न केवल कैंसर सैल्स को सीधे खत्म किया जा सकेगा, बल्कि आसपास के सैल्स भी सुरक्षित रहेंगे। वे गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय में भाभा परमाणु केंद्र की ओर से आयोजित 63वें डीएई सॉलिड स्टेट फिजिक्स सिम्पोजियम में भाग लेने पहुंचे थे।

नैनो पार्टिकल को पानी में मिलाकर दिया जाएगा इंजेक्शन

बीबी लाहिरी के अनुसार इस तकनीक में पानी में कुछ नैनो पार्टिकल को चीनी की तरह घोल दिया जाता है। इसके बाद इसका इंजेक्शन सीधे कैंसर प्रभावित जगह पर दिया जाता है। इसके बाद रेडियो फ्रिक्वेंसी एसी मैग्नेटिक फ्लुअड द्वारा 126 किलोहार्टज की फिक्वेंसी के माध्यम से कैंसर सेल पर हीट छोड़ी जाती है। यह हीट उस सैल को खत्म कर देगी, जिसमें फ्लुअड का इंजेक्शन लगाया गया था। इस तकनीक से शरीर के किसी अन्य अंग को नुकसान नहीं पहुंचेगा।

सफलता

- तमिल नाडु के शोधार्थियों ने तकनीक खोजी
- गुजवि में सिंपोजियम में भाग लेने पहुंचे शोधार्थी बीबी लाहिरी

हिसार : शोधार्थी बीबी लाहिरी।

रेडिएशन थेरेपी और मैग्नेटिक फ्लुअड हाइपर थर्मिया में है ये अंतर

- रेडिएशन थेरेपी के तहत एक बार थेरेपी करवाने पर तीन से 25 हजार तक खर्च होते हैं, जबकि मैग्नेटिक फ्लुअड हाइपर थर्मिया से एक बार की थेरेपी में केवल 100 रुपये लगेंगे।
- रेडिएशन थेरेपी हमारे डीएनए को डैमेज करती है, जबकि मैग्नेटिक फ्लुअड हाइपर थर्मिया से ऐसा नहीं होगा।
- रेडिएशन थेरेपी से कैंसर ग्रस्त सैल के साथ आसपास के स्वस्थ सैल भी खत्म हो जाते हैं, जबकि मैग्नेटिक फ्लुअड हाइपर थर्मिया तकनीक से केवल कैंसर ग्रस्त सैल खत्म होगा।
- मरीज को रेडिएशन थेरेपी कई दिनों तक करवानी पड़ती थी, जिससे इलाज में देरी होती थी, जबकि मैग्नेटिक फ्लुअड हाइपर थर्मिया के तहत जरूरत अनुसार थेरेपी ली जा सकेगी।
- रेडिएशन थेरेपी का गर्भवती और कमजोर लोगों पर बुरा प्रभाव पड़ता है, जबकि नई तकनीक से इन लोगों को कोई खतरा नहीं होगा।

दैनिक जागरण 21/12/18

रोहताश, बलतेज और के. श्रीनिवासन को बेस्ट थीसिस अवार्ड

हिसार, 22 दिसंबर (निस)

63वें पांच दिवसीय डीएई सोलिड स्टेट फिजिक्स सिम्पोजियम के समापन पर गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संबोधित किया। प्रो. एसएम यूसुफ, संयोजक, डीएई सोलिड स्टेट फिजिक्स सिम्पोजियम ने समारोह की अध्यक्षता की। यह सिम्पोजियम भारत सरकार के परमाणु ऊर्जा विभाग के अनुसंधान बोर्ड द्वारा प्रायोजित किया गया। प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने बताया कि डिफेंस लेबोरेटरी, जोधापुर के रोहताश कुमार, बार्क के बलतेज सिंह और आईजीसीएआर के के.श्रीनिवासन को बेस्ट थीसिस अवार्ड से सम्मानित किया गया। इसके अलावा भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र के डा. एके बेरा, आईआईटी दिल्ली के डा. राजेंद्र एस. ढाका, आईआईटी रोपड़ के डा. मुकेश कुमार को यंग अचीवर अवार्ड से सम्मानित किया गया।

हिसार के गुजवि में 63वें डीएई सोलिड स्टेट फिजिक्स सिम्पोजियम के समापन पर बेस्ट पोस्टर अवार्ड प्राप्त करती प्रतिभागी विजेता। -निस

छात्रा मित्तल ने कॉमनवेल्थ में जीता सिल्वर मेडल

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय से संबंधित डीएन कॉलेज के बीकॉम द्वितीय वर्ष की छात्रा प्रेक्षा मित्तल ने कॉमनवेल्थ गेम में सिल्वर मेडल हासिल किया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रेक्षा मित्तल को बधाई दी। साउथ अफ्रीका के डरबन में 29 नवंबर से 2 दिसंबर तक हुए कॉमनवेल्थ गेम में 68 किलोग्राम भार वर्ग में कराटे प्रतियोगिता में भारत का नेतृत्व किया। प्रतियोगिता में प्रेक्षा मित्तल ने सिल्वर मेडल हासिल किया है।

वीरवार को प्रेक्षा मित्तल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार से मिली। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने छात्रा प्रेक्षा मित्तल का हौसला बढ़ाया। उन्होंने कहा कि छात्रा ने विश्वविद्यालय, प्रांत व देश का गौरव बढ़ाया है, हमें छात्रा पर गर्व है। विश्वविद्यालय व महाविद्यालयों के अन्य विद्यार्थियों को भी शिक्षा लेनी चाहिए। छात्रा प्रेक्षा मित्तल ने बताया कि वह शुरू से ही खेलों में भाग लेती रही है व स्कूली स्तर से ही खेलों में भाग लेकर प्रथम स्थान पर आती रही है। उनका अगला लक्ष्य एशियन व ओलंपिक खेलों में पदक हासिल करना है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के खेल निदेशक डॉ. एसबी लुथरा, प्रो. दीपक केडिया, गजुटा प्रधान प्रो. धर्मेंद्र कुमार, मुकेश अरोड़ा व दीपक मित्तल उपस्थित थे।

मेडल जीतने वाली छात्रा मित्तल को सम्मानित करते वीसी प्रो. टंकेश्वर कुमार।

अमर उजाला - 28-12-18

हरियाणा की अब विज्ञान में देश का नेतृत्व करने की बारी : प्रो. टंकेश्वर

गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में स्टेट फिजिक्स सिंपोजियम कार्यक्रम का समापन

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार का कहना है कि 1.8 प्रतिशत जनसंख्या के साथ हरियाणा खाद्य उत्पादन और भारतीय सेना में 10 प्रतिशत योगदान देता है।

हरियाणा के खिलाड़ियों ने हाल ही में राष्ट्रमंडल खेलों में 29 में से 9 स्वर्ण जीते हैं। हरियाणा पहले ही जय जवान-जय किसान का नारा साबित कर चुका है और अब राज्य में जय विज्ञान का नेतृत्व करने की बारी है। प्रो. टंकेश्वर कुमार शनिवार को जीजेयू और भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र मुंबई के सौजन्य से 63वें डीएई सोलिड स्टेट फिजिक्स सिंपोजियम के पुरस्कार एवं समापन समारोह में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। संयोजक प्रो. एसएम यूसुफ ने अध्यक्षता की।

इस अवसर पर संयोजक स्थानीय आयोजन समिति प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, वैज्ञानिक सचिव डॉ. अरूप बिसवास एवं भौतिकी विभाग की अध्यक्षा प्रो. सुजाता सांघी उपस्थित रहे। प्रो. एसएम यूसुफ ने

यंग अचीवर अवॉर्ड से सम्मानित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। अमर उजाला

संगोष्ठी पर एक रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिसमें सोलिड स्टेट फिजिक्स की नौ श्रेणियों का उल्लेख दिया। उन्होंने डेटा और तस्वीरों के माध्यम से डीएईएसएसपीएस-2018 तक पहले के सम्मेलनों से अच्छी प्रस्तुति के साथ स्थानीय आयोजन समिति और मेजबान विश्वविद्यालय के प्रयासों की सराहना की। जापान के प्रो. कामियामा व जर्मनी के प्रो. बेले लेक ने आयोजन टीम के प्रयासों और सिंपोजियम में प्रस्तुत की गई भारतीय अनुसंधान की उच्चतम गुणवत्ता की सराहना की।

प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने बताया कि पहले सत्र में डिवाइस एप्लीकेशंस तथा दूसरे सत्र में नोवेल मेटीरियल पर चर्चा हुई। आईआईएसईआर, मोहाली के डॉ. दीपांकर मंडल ने फलेक्सिबल पाइरोइलैक्ट्रिक नेनो जनरेटर पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि भविष्य के इलेक्ट्रानिक उपकरणों के डिजाइन फलेक्सिबल, मल्टीफंकशनल, रोबस्ट व मजबूत होंगे तथा वजन में हल्के, स्ट्रेचेबल और सेल्फ पावर्ड होंगे। पाइरोइलेक्ट्रिक नेनो जनरेटर जिसको नोवेल डिवाइस कहा जाता है से न केवल सौर और यांत्रिक ऊर्जा बल्कि मानव शरीर द्वारा उत्सर्जित धर्मल ऊर्जा को भी हारवेस्ट करके विद्युत ऊर्जा में परिवर्तित किया जा सकता है। यह पॉली पोलीमेरिक नेनोफाइबर्स पायरोइलेक्ट्रिक नैनो जनरेटर का उपयोग करके संभव है, जो कि लीड मुक्त और पर्यावरण के अनुकूल है।

इन्हें मिला पुरस्कार

प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने बताया कि भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र के डॉ. एके बेरा, आईआईटी दिल्ली के डॉ. राजेंद्र एस ढाका, आईआईटी रोपड़ के डॉ. मुकेश कुमार को यंग अचीवर अवॉर्ड, 5000 रुपये नगद एक स्मृति चिह्न से सम्मानित किया गया। प्रत्येक 12 श्रेणियों के 24 सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार विजेताओं को 2000 रुपये नकद और स्मृति चिह्न से सम्मानित किया गया। डिफेंस लेबोरेट्री जोधपुर के रोहताश कुमार, बार्क के बलतेज सिंह और आईजीसीएआर के के. श्रीनिवासन को बेस्ट थीसिस अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।

अमर उजाला-23-12-18

66 सीटों के लिए 301 ने दी परीक्षा, 114 पास

गुजवि में दो चरणों में हुई पीएचडी के लिए प्रवेश परीक्षा, शाम छह बजे परिणाम कर दिया जारी

जागरण संवाददाता, हिसार : गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय में बुधवार को दो चरणों में आयोजित की गई पीएचडी की प्रवेश परीक्षा का परिणाम इसी दिन देर शाम को जारी कर दिया गया। नौ विभागों में पीएचडी की 66 सीटों पर दाखिले के लिए आयोजित इस परीक्षा में 301 विद्यार्थी शामिल हुए, जिनमें से 114 विद्यार्थी ही पास हो सके। अब इन विद्यार्थियों का विभिन्न मानदंडों के अनुसार दाखिले के लिए चयन किया जाएगा। पास होने वाले विद्यार्थी के प्रवेश परीक्षा के अंकों का 50 फीसद, पीजी के अंकों का 30 फीसद और यूजी के अंकों का 20 फीसद मिलाकर मेरिट लिस्ट तैयार की जाएगी। लिस्ट के आधार पर विद्यार्थियों के दाखिले होंगे। पीएचडी के लिए विश्वविद्यालय में 639 उम्मीदवारों ने आवेदन किया था।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर ने परीक्षा केंद्रों में जाकर परीक्षा संचालन का निरीक्षण किया। परीक्षा सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक और दोपहर 12:30 बजे से ढाई बजे तक दो सत्रों में आयोजित की गई थी। परीक्षा नियंत्रक प्रो. यशपाल सिंगला ने बताया कि नेट, जेआरएफ व गेट आदि विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाएं पास करने वालों को छोड़ दें तो पीएचडी प्रवेश परीक्षा के लिए 366 उम्मीदवारों ने आवेदन किया था, जिसमें से 301 आवेदकों ने प्रवेश परीक्षा में भाग लिया। परीक्षा का परिणाम परीक्षा के तीन घंटे बाद ही वेबसाइट पर डाल दिया गया। सभी विभागों में दाखिले के लिए ईटरव्यू-कम-काउंसलिंग का आयोजन 4 जनवरी 2019 को सुबह 10 बजे होगा।

गुजवि में पीएचडी की प्रवेश परीक्षा देने के बाद बाहर आते विद्यार्थी। • जागरण

गुजवि में पीएचडी के लिए आयोजित परीक्षा के दौरान निरीक्षण करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

विषय	सीट	आवेदन	परीक्षा दी	ये ले पाए 50 -से अधिक अंक
मैकेनिकल इंजीनियरिंग	17	38	23	09
कम्युनिकेशन मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी	07	92	63	12
एनवायरमेंट साइंस एंड इंजीनियरिंग	11	54	41	05
बायो एंड नैनो टेक्नोलॉजी	02	27	18	01
फार्मास्यूटिकल साइंस	18	48	39	15
फिजिक्स	03	84	37	21
अप्लाइड सायकोलॉजी	02	57	38	25
फिजियोथेरेपी	03	18	18	07
फूड टेक्नोलॉजी	03	26	24	01

फूड साइंस में 3 सीटें, पास एक

प्रवेश परीक्षा में ओवरऑल बात करें तो फिजिक्स विभाग में पूजा ने सबसे अधिक 74 अंक हासिल किए। लेकिन एनवायरमेंट साइंस एंड इंजीनियरिंग और फूड साइंस एंड टेक्नोलॉजी में इतने विद्यार्थी भी सफल नहीं हो सके कि सीटें पूरी भर सके। फूड साइंस की 3 सीटों पर दाखिले के लिए केवल एक ही उम्मीदवार 50 से अधिक अंक हासिल कर पाया। वहीं एनवायरमेंट साइंस में पीएचडी के लिए 11 सीटें थीं, लेकिन यहां केवल 5 उम्मीदवार ही 50 या इससे अधिक अंक हासिल कर पाए हैं। बायो एंड नैनो साइंस टेक्नोलॉजी की 2 सीटों के लिए भी केवल एक ही उम्मीदवार पास हो पाया है।

ये हैं विभिन्न विभागों के टॉपर

मैकेनिकल इंजीनियरिंग	अमित कुमार (63)
कम्युनिकेशन मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी	गीतिका वशिष्ठ (67)
एनवायरमेंट साइंस एंड इंजीनियरिंग	दीपक यादव (58)
बायो एंड नैनो टेक्नोलॉजी	प्रशांत भारद्वाज (54)
फार्मास्यूटिकल साइंस	रमेश कुमार (70)
फिजिक्स	पूजा (74)
अप्लाइड सायकोलॉजी	पवन कुमार (72)
फिजियोथेरेपी	निधि अग्रवाल (63)
फूड टेक्नोलॉजी	अंकुर लूथरा (70)

फिजिक्स में रहेगी मारामारी

अप्लाइड साइकोलॉजी और फिजिक्स विभाग में दाखिले के लिए उम्मीदवारों के बीच सबसे कड़ा कंपटीशन रहेगा। फिजिक्स में जहां 3 सीटों के लिए 21 से अधिक दावेदार होंगे, वहीं अप्लाइड साइकोलॉजी की 2 सीटों के लिए 25 उम्मीदवार मैदान में रहेंगे।

रंगकर्मी रोहित कौशिक 25 से कर रहे 'रक्तरंजित मयूरपंख' नाटक का मंचन

हिसार में बना दुनिया के सबसे लंबे नाटक का रिकॉर्ड

- सौ घंटे का दुनिया का सबसे लंबा नाटक जेजीयू में चल रहा
- 76 घंटे के नाटक का गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड अमेरिका के कलाकारों के नाम पर था

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

फिरोजा नगरी की धरा पर शनिवार को 100 घंटे के दुनिया के सबसे लंबे नाटक का मंचन कर हरियाणा के प्रसिद्धि रंगमंच के कलाकार एवं अभिनेता रोहित कौशिक गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज करवाएंगे। शुक्रवार की राहत दो बजे रोहित कौशिक ने अमेरिका के 76 घंटे लंबे नाटक का रिकॉर्ड तोड़कर नया कीर्तिमान स्थापित कर दिया। अब वो इस रिकॉर्ड को 100 घंटे का करने की ओर अग्रसर हैं। 25 दिसंबर से गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय के चौ. रणबीर सिंह सभागार में रक्तरंजित मयूरपंख नाटक का मंचन करने में जुटे हैं। अमेरिका में 76 घंटे की सबसे लंबी प्रस्तुति दी गई थी। 76 घंटे की इस प्रस्तुति का वर्ल्ड रिकॉर्ड अमेरिका के 40 विद्यार्थियों के नाम है। उस प्रस्तुति को पीछे छोड़ते हुए भिवानी के रोहित कौशिक अब 100 घंटे का रिकॉर्ड बनाकर देश का नाम दुनियाभर में प्रसिद्ध करेंगे। रोहित कौशिक द्वारा मंचित रक्तरंजित मयूरपंख नाटक तीन घंटे का है। 100 घंटे का वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने के लिए रोहित कौशिक 29 दिसंबर तक लगातार नाटक का मंचन कर रहेंगे। नाटक पूरा होते ही कौशिक उसे बार-बार रिपीट करने में लगे हैं।

रोहित कौशिक ने बताया कि गिनीज बुक के नियमों के अनुसार हर एक घंटे के बाद दस मिनट का ब्रेक लिया जा सकता है लेकिन वे हर तीन घंटे के बाद मात्र दस मिनट का ब्रेक ले रहे हैं। वर्ल्ड रिकॉर्ड के लिए नाटक की पूरी वीडियो रिकॉर्डिंग के लिए सभागार में नॉन स्टाप कैमरे लगाए गए हैं। रिकॉर्डिंग और टीम की रिपोर्ट को वर्ल्ड रिकॉर्ड के लिए न्यूयार्क भेजा जाएगा। नाटक को एकल कैटेगिरी की श्रेणी में काउंट किया जाएगा। नाटक से जुड़े पूरे रिकॉर्ड व दस्तावेजों की जांच में करीब एक माह का समय लगेगा। जांच प्रक्रिया पूरी होने के बाद अंतिम निर्णय सुनाया जाएगा।

श्रीकृष्ण के अनछुए पहलुओं की प्रस्तुति

कौशिक रक्तरंजित मयूरपंख नाटक के माध्यम से वे श्रीकृष्ण के अनछुए पहलुओं को बड़ी संजीदगी से प्रस्तुत कर रहे हैं। बिना थके और बिना रुके लगातार मंचन

कौशिक ने मनवाया लोहा

रोहित कौशिक फिल्मों एवं नाटकों में अपने अभिनय का लोहा मनवा चुके हैं। हरियाणा के कलाकार रोहित कौशिक 24 घंटे 8 मिनट तक लगातार छठा पांडव नाटक प्रस्तुत करके अनूठा कीर्तिमान स्थापित करके रंगमंच की दुनिया के सरताज बने हुए हैं। उन्होंने कुंती के प्रथम पुत्र कर्ण के जीवन पर आधारित नाटक मंचन फतेहाबाद के एमएम कॉलेज में किया था। रोहित कौशिक कहते हैं कि यह नाटक नहीं यह साधना, मेडिटेशन है। कई-कई दिनों तक बिना किसी से बात किए रहना जैसे सत्युग, द्वापर और तेत्रा युग में ऋषि-मुनि साधना करते थे।

रिकॉर्ड के साथ आज होगा समापन

रक्तरंजित मयूरपंख नाटक का शनिवार सायं समापन सत्र होगा। इसमें हरियाणासर से कलाकार, राजनेता, समाजसेवी एवं अन्य हस्तियां शिरकत करेंगी। इस दौरान विभिन्न संस्थाओं से जुड़े बच्चे सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत करेंगे। इतना ही नहीं रोहित कौशिक का जीवट और हौसला देखकर कई संस्थाएं उन्हें समापन सत्र के दौरान सम्मानित भी करेंगी। एक और खास बात है कि रोहित कौशिक का हौसला बढ़ाने फिल्म नगरी मुंबई से एक्टर कुणाल शर्मा एवं एक्ट्रेस स्वीटी शर्मा हिसार आएंगे हैं।

करना कोई हंसी-खेल नहीं है लेकिन जीवट के धनी रोहित कौशिक का अभिनय और जोश देखकर कोई नहीं कह सकता कि यह कलाकार पिछले तीन दिनों से बिना सोए और बिना भोजन किए मंचन कर रहा है।

हरिभूमि -29-12-18

इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में 9 देशों के वैज्ञानिक जीजेयू में कृषि और पर्यावरण पर करेंगे मंथन

18 से 20 फरवरी को होगी क्लाइमेट चेंज एंड एग्रीकल्चरल सस्टनेबिलिटी विषय पर कॉन्फ्रेंस

सुभाष चंद्र | हिसार

बदलते पर्यावरण में फसलों की पैदावार कैसे बढ़ा सकते है, पशुओं की कौनसी नस्लें अधिक दूध देती है, साथ ही स्वास्थ्य को लेकर कौनसी नई रिसर्च हुई है। इन सब सवालों के जवाब जीजेयू में मिल सकेंगे। मौका होगा क्लाइमेट चेंज टूवर्डस हेल्थ एंड एग्रीकल्चरल सस्टनेबिलिटी विषय पर इंटरनेशनल कांफ्रेंस का। यह कांफ्रेंस 18 से 20 फरवरी को विवि के इनवायरमेंट साइंस एंड इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट, एसएसएआरएम व आईएईएस, हरिद्वार की ओर से संयुक्त रूप से आयोजित की जाएगी। जबकि इसे यूजीसी की ओर से स्पोंसर किया गया है। कॉन्फ्रेंस में भारतीय साइंटिस्टों समेत 9 देशों से कृषि, हैल्थ व मेडिकल से जुड़े शिक्षण संस्थानों से साइंटिस्ट एकत्रित होंगे। जो विभिन्न विषयों में अपने टॉपिक प्रस्तुत करेंगे।

इन विषयों में आयोजित होगी कॉन्फ्रेंस

क्लाइमेट चेंज एंड ग्लोबल वार्मिंग - इसमें क्लाइमेट चेंज एंड कारबन फुटप्रिंटस, ग्लोबल वार्मिंग, क्लीन डिवलेपमेंट मैकेनिज्म, पॉल्यूटेंट इमीशन कंट्रोल व इनावयरमेंटल प्रोटेक्शन, इनावयरमेंटल मैनेजमेंट सिस्टम।

ग्रीन टेक्नोलॉजी - फ्यूल सैल्स, बायोफ्यूल, सोलर एनर्जी टेक्नोलॉजी, नैनोमटीरियल्स इन एनर्जी टेक्नोलॉजी, ग्रीन बिल्डिंग्स एंड अल्टरनेटिव मेटीरियल्स।

पॉल्यूशन आइडेंटिफिकेशन एंड वेस्ट मैनेजमेंट - इस थीम में वेस्ट मैनेजमेंट, एयर पॉल्यूशन मॉनिटरिंग एंड एनालिसिस, वेस्टवाटर ट्रीटमेंट टेक्नोलॉजी, नैनोमटीरियल्स इन वेस्ट टेक्नोलॉजी।

इनावयरमेंटल हैल्थ - पॉल्यूशन ग्रोथ, हैल्थ इन इट्स इनावयरमेंटल, कल्चर, इकोनॉमिक एंड सोशल कॉन्टेक्स्ट, नेचर बेस्ड सोल्यूशन एंड हैल्थ, बिल्ट इनवायरमेंट एंड हैल्थ।

एग्रीकल्चरल सस्टनेबिलिटी - इस थीम में वाटर मैनेजमेंट टेकनीक्स, ऑर्गेनिक फार्मिंग, अर्बन फार्मिंग, वर्टिकल फार्मिंग, एग्रीकल्चरल वेस्ट मैनेजमेंट, कम्पोजिटिंग, कोर्सेज ऑफ सोयल कंटामिनेशन, इनोवेटिव ब्रिडिंग प्रेक्टिस, फुड सिक्योरिटी इन डिवेलपिंग कंट्रीस।

ये सात अवार्ड मिलेंगे

1. एकेडमी गोल्ड मेडल
2. एकेडमी सिलवर जुबली अवार्ड
3. डॉ. केके त्यागी गोल्ड मेडल
4. स्वामी महेशा नंद गोल्ड मेडल
5. प्रो. शशि कला बैलसरे गोल्ड मेडल
6. लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड
7. डॉ. सलगेयर गोल्ड मेडल

9 देशों से ये साइंटिस्ट होंगे उपस्थित

- डॉ. मानवा शिवकुमार, वर्ल्ड बैंक, यूनेस्को
- डॉ. डीयोन टर्बलांचे, साउथ अफ्रीका
- डा. जी श्रीनिवासन, थाइलैंड
- प्रो. रिचार्ड सेफ्री, ऑस्ट्रेलिया
- प्रो. डेविड ऑल्सन, कनाडा
- प्रो. रविंद्रा एन छिब्बर - कनाडा
- प्रो. बे वान डेन, बेल्जियम
- प्रो. गिरलिंडे मेट्ज, कनाडा
- डा. लोरा जेल्फी, कैलिफोर्निया, सेन फ्रांसिस्को
- प्रो. मुस्तफा अल शेख - इजिप्ट
- प्रो. अहमद ब्रेगी, तुर्की
- प्रो. एमई लिस्का, तुर्की
- प्रो. एंगला, यूके

फॉरेन डेलीगेट्स, रिसर्च स्कॉलर व स्टूडेंट्स के लिए अलग-अलग रजिस्ट्रेशन फीस

नेशनल कांफ्रेंस में देश-विदेश से साइंटिस्ट आएंगे। कांफ्रेंस में 15 जनवरी तक रजिस्ट्रेशन करवाया जा सकेगा। कांफ्रेंस में फेकल्टी, डेलीगेट्स, प्रोफेशनल, फॉरेन डेलीगेट्स, रिसर्च स्कॉलर व स्टूडेंट्स के लिए अलग-अलग रजिस्ट्रेशन फीस रखी गई है।''

प्रो. नरसीराम बिश्नोई, डीन ऑफ कॉलेज व इनावयरमेंटल एंड इंजीनियरिंग विभाग, जीजेयू

दैनिक भास्कर - 31-12-18